राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. (UHIN/2009/34814) (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, बुधवार , 10 दिसंबर 2025
वर्ष 16, अंक 66, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाजियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

बाबरी विध्वंस बरसीं पर अलर्ट पुलिस ने किया फ्लैग मार्च, ड्रोन से निगरानी ..03

तहसील समाधान दिवस में उठा जन्म प्रमाण पत्र में हीला-हवाली और जर्जर रास्तों का मुद्दा..04

भगवत गीता कभी बैन करने वाला था रूस, वक्त का पहिया घूमा और आज उसे ही पुतिन ने सिर आंखों से लगाया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कहते हैं वक्त बहुत बलवान होता है. वक्त का पहिया एक न एक दिन जरूर घूमता है. भारत और रूस के संबंध में भी कुछ इसी तरह वक्त का पहिया घूमा है. भारत-रूस के संबधों ने फिर साबित किया कि समय की गति बहुत विचित्र होती है. यही कारण है कि रूस कभी भगवत गीता को बैन करने वाला था, मगर आज वही हिंदुओं की पवित्र ग्रंथ गीता पुतिन के हाथों में सुशोभित हो रही है. व्लादिमीर पुतिन अभी भारत दौरे पर हैं. प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को रूसी राष्ट्रपति पुतिन का अपने आधिकारिक आवास, 7 लोक कल्याण मार्ग पर स्वागत किया. यहां पीएम मोदी ने पुतिन को भागवत गीता भेंट की. इससे 2011 की वो पुरानी याद ताजा हो गई, जब रूस की अदालत में गीता को बैन करने का मामला गया था।

जी हां, यह मामला 15 साल पुराना है. साल 2011 में रूसी प्रांत साइबेरिया में टॉम्स्क की अदालत में गीता का मामला पहुंचा था. उस वक्त भगवत गीता (भगवद्गीता) को बैन करने की मांग की गई थी. हालांकि, यह भगवत गीता की रूसी भाषा में अनुवादित प्रति थी. अदालत में भगवत गीता को 'उग्रवादी साहित्य' करार देकर बैन करने की मांग की गई थी. रूसी विदेश मंत्रालय भी मामले की जांच में जुटा था. उस वक्त इस मामले की वजह से भारत से लेकर रूस तक में आक्रोश दिखा था. मगर देखिए वक्त ने कैसे करवट बदली. आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुतिन को इसी ग्रंथ यानी गीता की रूसी भाषा में अनुवादित प्रति उपहार स्वरूप दी. अव्वल तो यह कि पुतिन ने भी इसे बड़े आदर से स्वीकार किया।

गीता पर 2011 में क्या हुआ था?

2011 में रूस की फेडरल सिक्योरिटी सर्विस ने रूसी भाषा वाली भगवत गीता को एक्स्ट्रीमिस्ट माना था. साइबेरियाई शहर टॉम्स्क में प्रॉसिक्यूटर चाहते थे कि गीता के इस एडिशन को 'एक्सट्रीमिस्ट' घोषित किया जाए. अगर ऐसा होता तो भागवत गीता तानाशाह हिटलर की 'मेन कैम्फ' जैसी कैटेगरी में आ जाती. इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शसनेस (इस्कॉन) से प्रकाशित 'भगवद्गीता ऐज इट इज' पर अदालती कार्यवाही हुई. रूसी अभियोजकों का दावा था कि इस ग्रंथ में इसे न मानने वालों के प्रति अपमानजनक टिप्पणियां हैं, जो सामाजिक वैमनस्य को बढ़ावा दे सकती हैं. मामला टॉम्स्क की अदालत में पहुंचा, जहां सुनवाई के दौरान रूस में रहने वाले हिंदू समुदाय और भारत सरकार ने कड़ा विरोध जताया।

भारत में भी हंगामा और आखिरकार जीत

इतना ही नहीं, भारत में संसद तक में इस मुद्दे पर हंगामा हुआ. उस वक्त के विदेश मंत्री रहे एसएम कृष्णा ने भी रूसी राजदूत से बात की थी. भारत में कई जगहों पर प्रदर्शन हुए थे. वैश्विक स्तर पर हिंदू संगठनों ने आवाज उठाई. आखिरकार, 28 दिसंबर 2011 को गीता की जीत हुई. रूसी अदालत ने गीता के खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी. अदालत ने माना कि हिंदुओं के पवित्र ग्रंथ में कोई एक्सट्रीमिस्ट कंटेंट नहीं है. हालांकि, उस वक्त खुद रूस के विदेश मंत्रालय ने कहा था कि भागवत गीता के टेक्स्ट पर कमेंट्री की जांच हो रही है, न कि खुद टेक्स्ट की।

15 साल में कैसे बदला खेल?

इस मामले का ट्रायल जून 2011 में शुरू हुआ था. भागवत गीता के रूसी अनुवाद को फेडरल लिस्ट ऑफ एक्सट्रीमिस्ट मटीरियल्स में डाले जाने का खतरा था. मगर अदालत के फैसले से यह संभव नहीं हो पाया. अदालत ने गीता को लीगल माना. समय बीता और अब 2025 में परिदृश्य पूरी तरह बदल चुका है. तभी तो रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें भगवद्गीता की रूसी अनुवादित प्रति भेंट की।

रूस और भारत के बीच की गीता वाली गाथा

2011 का विवादः रूस में भगवद्गीता की 'ऐज इट इज' प्रति को एक्सट्रीमिस्ट मानकर बैन की मांग, लेकिन कोर्ट ने खारिज किया।

भारत का विरोधः भारत की संसद में हंगामा हुआ था. देशभर में प्रदर्शन हुए थेऔर कूटनीतिक दबाव भी डाला गया था.

हिटलर की किताब वाली कैटेगरीः अगर अदालत का फैसला गीता के खिलाफ आता तो यह हिटलर की किताब मेन कैंफ की तरह बैन वाली लिस्ट में चली जाती।

2025 में पुतिन को गिफ्टः 15 साल बाद उसी गीता की प्रति पीएम मोदी ने पुतिन को गिफ्ट की. यह भारत और रूस के बीच सांस्कृतिक कूटनीति का प्रतीक है।

महत्वः इस घटनाक्रम से यह साबित होता है कि भारत-रूस संबंध मजबूत समय के साथ ऐसे विवाद आते-जाते रहते हैं और दोनों देश आसानी से सुलझा लेते हैं।

हमें तैयार रहना होगा, भारत-चीन बॉर्डर पर क्या चल रहा, वेस्टर्न कमांड के चीफ ने आखिर क्यों दी चेतावनी?

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भारतीय सेना के पश्चिमी कमान के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कातियार ने रविवार को साफ शब्दों में कहा कि भारत को चीन और पाकिस्तान दोनों मोर्चों पर हर समय पूरी तरह तैयार रहना होगा. उत्तर प्रदेश के फतेहगढ़ में मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि देश की सीमाओं पर खतरे लगातार बने हुए हैं और इनसे निपटने के लिए किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जा सकती।

लेफ्टिनेंट जनरल कातियार ने कहा कि सेना की तैयारियों से किसी भी सूरत में समझौता नहीं किया जा सकता. उन्होंने कहा, 'सबसे पहली और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हमारी ऑपरेशनल तैयारियों से कोई समझौता नहीं होना चाहिए. चाहे वह चीन के साथ हमारी उत्तरी सीमाएं हों या फिर पश्चिमी सीमा, खतरा हर समय बना रहता है.' उन्होंने यह भी जोड़ा कि बदलते सुरक्षा परिदृश्य को देखते हुए सेना को हर वक्त अलर्ट रहना होगा और किसी भी चुनौती से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहना होगा।

भारतीय सेना की सबसे बड़ी ताकत क्या?

उन्होंने कहा कि सेना लगातार अपनी क्षमताओं को मजबूत कर रही है, लेकिन इसके साथ-साथ उन मूल मूल्यों को भी बनाए रखना उतना ही जरूरी है, जो भारतीय सेना की पहचान हैं. लेफ्टिनेंट जनरल कातियार ने कहा, 'यह बेहद जरूरी है कि हमारी ऑपरेशनल तैयारियों में कोई कमी न रहे. इसके साथ ही मैं सशस्त्र बलों को एक और संदेश देना चाहता हूं कि हमें अपनी सेना के निष्पक्ष और धर्मनिरपेक्ष स्वरूप को हमेशा बनाए रखना है.' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय सेना राजनीति से ऊपर उठकर केवल राष्ट्रहित में काम करती रही है और आगे भी ऐसा ही होना चाहिए. हाल ही में पाकिस्तान के साथ बढ़े तनाव का जिक्र करते हुए पश्चिमी कमान प्रमुख ने कहा कि जब भी दुश्मन देश ने भारत के खिलाफ नापाक हरकत करने की कोशिश की है, भारतीय सेना ने उसका मुंहतोड़ जवाब दिया है. उन्होंने कहा, 'दोनों ही मोर्चों पर खतरे मौजूद हैं. हाल ही में जब पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ दुर्भावनापूर्ण आतंकी गतिविधि को अंजाम देने की कोशिश की, तो हमने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए उन्हें करारा और मुहतोड़ जवाब दिया.' उनके इस बयान को हाल के सैन्य अभियानों और सीमा पर जवाबी कार्रवाई से जोड़कर देखा जा रहा है।

चीन सीमा को लेकर क्या बोले वेस्टर्न कमांड के चीफ?

लेफ्टिनेंट जनरल कातियार ने यह भी कहा कि भले ही पश्चिमी मोर्चे पर पाकिस्तान की ओर से लगातार चुनौतियां मिलती रहती हैं, लेकिन उत्तरी सीमा पर चीन से जुड़े खतरे को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता. उन्होंने कहा, 'पश्चिमी सीमा पर हमें हर समय सतर्क रहना पड़ता है, लेकिन इसके साथ ही हमें चीन की सीमा पर भी उतनी ही चौकसी बनाए रखनी होगी. दोनों ही मोर्चों पर चौबीसों घंटे तैयारी बनाए रखना अनिवार्य है.' उनके इस बयान को ऐसे समय में अहम माना जा रहा है, जब भारत की सीमाओं पर सुरक्षा चुनौतियां लगातार बदल रही हैं और क्षेत्रीय तथा वैश्विक हालात भी तेजी से करवट ले रहे हैं. सेना प्रमुख का यह साफ संदेश है कि देश की सुरक्षा सर्वोपरि है और इसके लिए हर स्तर पर सतर्कता, अनुशासन और पेशेवर प्रतिबद्धता जरूरी है।

संक्षिप्त ख़बरें

उन्नाव के नर्सिंग कॉलेज में एमएस ने छात्रा को किया 'बैड टच', कार्रवाई न होने पर छात्रों ने किया हंगामा

उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले के एक नर्सिंग कॉलेज में मेडिकल छात्रा को 'बैड टच' करने का मामला सामने आया है. इस बात की जानकारी होते ही पूरे कॉलेज परिसर में हड़कंप मच गया. सभी छात्र-छात्राएं आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए धरने पर बैठ गए. देखते ही देखते ही स्कूल में अफरा-तफरी जैसा माहौल बना गया. मौके पर पहुंची पुलिस ने पीड़ित छात्रा और उसके परिवार की शिकायत सुन आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है

उन्नाव के सोहरामऊ थाना क्षेत्र में स्थित एक नर्सिंग कॉलेज में मेडिकल सुपरिटेंडेंट (M S) पर एक छात्रा ने 'बैड टच' का आरोप लगाया है. पीड़ित छात्रा ने बताया कि 17 नवंबर को स्कूल में मेडिकल सुपरिटेंडेंट ने मेडिकल रुम में बुलाया. आरोप है कि यहां जांच करने के दौरान आरोपी ने छात्रा को गलत तरीके से छुआ. इस घटना के बाद से ही छात्रा मानसिक रूप से परेशान थी. एक दिन उसने हिम्मत करके से प्रिंसिपल से मेडिकल सुपरिंटेंडेंट की शिकायत की

'प्रिंसिपल ने नहीं की कार्रवाई'

छात्रा का आरोप है कि प्रिंसिपल न तो मामले में आरोपी के खिलाफ कोई कार्रवाई और न ही इस बात की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी. इस बात से छात्रा और उसका परिवार काफी निराशा था. प्रिंसिपल की ओर से आरोपी के खिलाफ कोई कार्रवाई न किए जान से छात्र काफी नाराज हो गए. शनिवार को आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते छात्र-छात्राएं धरने पर बैठ गए. हाथों में पोस्टर-बैनर लिए छात्र सुपरिंटेंडेंट को तुरंत स्सपेंड करने और मुकदमा दर्ज करने की मांग करने लगे.

पुलिस ने दिया कार्रवाई का आश्वसन

स्कूल में धरने की सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंच गई, जहां पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर छात्रों को शांत कराया. साथ ही कार्रवाई का आश्वसन देते हुए धरना खत्म कराया. सीओ हसनगंज का कहना है कि मामले में छात्रा और उसके परिवार के बयान दर्ज किए जाएंगे. आरोपों को गंभीरता से देखते हुए रिपोर्ट के आधार पर आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी.

पश्चिम बंगालः हुमायूं कबीर ने रख दी बाबरी मस्जिद की नींव, TMC से सस्पेंड होकर भी बढ़ा दी ममता की टेंशन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पश्चिम बंगाल की राजनीति अगले साल के विधानसभा चुनाव से पहले गरमाती जा रही है. मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के करीबी ही उनको दर्द दे रहे हैं. तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से निष्कासित मुर्शिदाबाद के एमएलए हुमायूं कबीर ने शनिवार को बाबरी मस्जिद का नींव रख करके बवाल खड़ा कर दिया. अपने ऐलान के मुताबिक हुमायूं कबीर ने बेलडांगा में बाबरी मस्जिद की नींव रखा. आगामी चुनाव को देखते हुए एक तरफ टीएमसी उनको पार्टी से निष्कासित कर खुद को किनारे कर लिया है, तो दूसरी ओर विपक्षी पार्टियां- भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस ने ममता बनर्जी को घेरना शुरू कर दिया है।

बाबरी मस्जिद को लेकर हुमायूं ने कहा कि मुसलमानों को मस्जिद बनाने का हक है, इसे कोई नहीं रोक सकता. साथ ही उन्होंने राम मंदिर को लेकर भी बयान दिया है. उन्होंने विवाद से साफ इनकार कर दिया है।

हुमायूं ने क्या कहा?

हम राम मंदिर के खिलाफ नहीं हैं.

जब मैंने इस बाबरी मस्जिद के बारे में बताया तो उन्होंने कहा कि वे सागरदीघी पर राम मंदिर बनाएंगे।

अल्लाह मुझसे प्यार करता है, इसलिए हमने कोर्ट में यह लड़ाई जीती।

बाबरी मजीद विवादित जमीन पर था, वे कह रहे हैं कि 145 करोड़ लोगों में से 40 करोड़ मुसलमान हैं।

बंगाल में 4 करोड़ मुसलमान हैं, हम बाबरी मस्जिद का पत्थर नहीं रख सकते?

हम सभी धर्मों का सम्मान करते हैं. अगर कोई क्सेस आकर यहां कुछ कहता है, तो हम बर्दाश्त नहीं करेंगे. हम यहां से बाबरी मस्जिद की एक ईट भी नहीं हिलने देंगे।

मस्जिद के साथ एक हॉस्पिटल भी बनेगा।

यूपी के डिप्टी सीएम का रिएक्शन

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने हुमायूं कबीर के बाबरी मस्जिद को लेकर बयान जारी किया है. उन्होंने कहा, 'यह सब TMC की नौटंकी है. बंगाल में भाजपा की सरकार आने वाली है, अगर बाबर के नाम पर एक भी ईट रखी गई तो भाजपा उसे उखाड़ फेंकेगी.' वहीं, कांग्रेस नेता इमरान मसूद का इस मामले पर बयान आया है. उन्होंने हुमायूं कबीर के मस्जिद की नींव रखने पर कहा कि ममता जी को सख्त एक्शन दिखाना चाहिए।

कांग्रेस नेता ने क्या कहा?

मसूद ने आगे कहा, 'ममता को किस चीज का डर लग रहा है, मैं मुसलमान होकर कह रहा हूं. यह तमाशा नहीं चलेगा मस्जिद बनानी है, मस्जिद बनाओ लेकिन मस्जिद का नामांकरण इस तरह नहीं होगा. तुम नफरत के नाम पर मस्जिद का नामांकरण करोगे? ममता जी गेम फिक्स करने की कोशिश ना करें. मस्जिद बनानी है, मस्जिद बना दें. मस्जिद के नाम पर सियासत क्यों कर रहे हैं? मुर्शिदाबाद के लोगों को देश के अंदर रहने वाले मुसलमान के बारे में भी सोचना चाहिए. जो छोटी-छोटी जगह में थोड़ी-थोड़ी आबादी में जो रह रहे हैं उनके बारे में सोचना चाहिए.' उन्होंने हुमायूं पर हमला बोलते हुए कहा कि एक जगह पर तुम बहुसंख्यक (मुस्लिम) हो जाओगे तो वहां नफरत फैलाओगे?

चुनाव से पहले ममता का दांव

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने मुर्शिदाबाद के भरतपुर से विधायक हुमायूं कबीर को 4 दिसंबर 2025 को पार्टी से निलंबित कर दिया था क्योंकि उन्होंने शुक्रवार 6 दिसंबर (बाबरी मस्जिद विध्वंस की बरसी पर) को मुर्शिदाबाद के बेलडांगा में बाबरी मस्जिद की तर्ज पर एक बड़ी मस्जिद का शिलान्यास करने की घोषणा की थी. पार्टी ने सांप्रदायिक तनाव भड़काने वाली गतिविधि, धर्म की राजनीति और पार्टी विरोधी कार्य मानते हुए उनको पार्टी से निकाल दिया था. वरिष्ठ नेता फिरहाद हकीम ने कहा कि कबीर को पहले भी कई बार चेतावनी दी गई थी, लेकिन वे नहीं माने; पहले भी 2015 में ममता बनर्जी व अभिषेक बनर्जी की आलोचना करने पर उन्हें छह साल के लिए पार्टी से निकाला गया था।

सलमान रुश्दी ने मोदी सरकार में बढ़ते हिंदू राष्ट्रवाद और अभिव्यक्ति की आज़ादी पर हमलों पर चिंता जताई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली- प्रसिद्ध लेखक सलमान रुश्दी ने हाल ही में भारत में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हो रहे हमलों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में बढ़ते हिंदू राष्ट्रवाद को लेकर चिंता जताई है. ब्लूमबर्ग को दिए एक इंटरव्यू में रुश्दी ने कहा कि वह मुसलमानों की छवि को लेकर और भारत के लेखकों, पत्रकारों और शिक्षाविदों पर बढ़ते दबाव को लेकर चिंतित हैं. रुश्दी ने इंटरव्यू में कहा, 'मैं इसे लेकर बहुत चिंतित हूं. भारत में मेरे बहुत से दोस्त हैं. हर कोई पत्रकारों, लेखकों, बुद्धिजीवियों, प्रोफेसरों आदि की स्वतंत्रता पर हो रहे हमलों से बेहद चिंतित है.' उन्होंने कहा कि देश की पहचान को नए सिरे से गढ़ने की कोशिश होती दिख रही हैः ऐसा लगता है कि देश के इतिहास को दोबारा लिखने की इच्छा है, मूल रूप से यह कहने के लिए कि हिंदू अच्छे हैं और मुसलमान बुरे. वीएस नायपॉल ने इसे कभी 'घायल सभ्यता' कहा था, यह विचार कि भारत एक हिंदू सभ्यता है जिसे मुसलमानों के आने से चोट पहुंची. इस सोच को बहुत ज़्यादा बढ़ावा मिल रहा है. दशकों पहले दिए गए अपने चेतावनी भरे बयानों पर बोलते हुए उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि अगर आप एक लेखक हैं, अगर आप ध्यान देते हैं, तो कभी-कभी आपको आने वाली चीजें पहले ही दिख जाती हैं, और मुझे लगता है कि मैं वही कर रहा था, मैं ध्यान दे रहा था.' रुश्दी के इस बयान का संदर्भ यह है कि उन्होंने कई दशक पहले ही भारत में बढ़ती कट्टरता, नफरत और स्वतंत्रताओं पर बढ़ रहे हमलों को भांप लिया था।

2022 में रुशदी पर हुआ था हमला

1988 में द सैटेनिक वर्सेज़ के प्रकाशित होने के बाद से रुश्दी ईरान द्वारा जारी फतवे की छाया में जी रहे हैं. अगस्त 2022 में यह खतरा दोबारा हिंसक रूप में सामने आया, जब उन्हें पश्चिमी न्यूयॉर्क में एक व्याख्यान देने से ठीक पहले हमला कर घायल कर दिया गया. हमले से उबरने के बाद लेखक की एक आंख की रोशनी चली गई और वह अपने एक हाथ से अब कोई काम नहीं कर पाते हैं. हमलावर, 27 वर्षीय हादी मतार, बाद में हत्या के प्रयास और हमले का दोषी पाया गया और उसे 25 साल की जेल की सज़ा सुनाई गई।

भारत और द सैटेनिक वर्सेज़

उल्लेखनीय है कि भारत ने अक्टूबर 1988 में रुश्दी के उपन्यास द सैटेनिक वर्सेज़ के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया था. यह आदेश राजीव गांधी सरकार के दौरान वित्त मंत्रालय द्वारा जारी कस्टम नोटिस के तहत लागू किया गया था. सरकार ने इसके लिए यह तर्क दिया था कि मुस्लिम समुदाय, जो इस किताब को धार्मिक भावनाओं के विरुद्ध मानते थे, इसकी कड़ी प्रतिक्रिया दे सकते हैं. दिल्ली हाईकोर्ट ने 5 नवंबर 2024 को 37 साल पुराने इस आयात प्रतिबंध को प्रभावी रूप से हटा दिया. रुश्दी का जन्म 1947 में मुंबई में हुआ. उन्होंने इंग्लैंड के बोर्डिंग स्कूल के बाद कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से पढ़ाई की थी. साहित्य में योगदान के लिए उन्हें 2007 में 'नाइट' की उपाधि दी गई।

जम्मू-कश्मीरः हिरासत में लिया गया चीनी नागरिक, वीजा नियमों के उल्लंघन का आरोप, फोन से मिली अहम जानकारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कश्मीर में अलर्ट सुरक्षा एजेंसियों ने चीन के नागरिक को हिरासत में लिया है. जो बिना इजाजत लद्दाख और कश्मीर के संवेदनशील इलाकों में घूम रहा था. 29 साल का हू कोंगताई 19 नवंबर को टूरिस्ट वीजा पर दिल्ली आया था जिससे उसे वाराणसी, आगरा, नई दिल्ली, जयपुर, सारनाथ, गया और कुशीनगर में बौद्ध धार्मिक स्थलों पर जाने की इजाजत थी. जानकारी के मुताबिक हू कोंगताई 20 नवंबर को दिल्ली से लेह की फ्लाइट पकड़कर सीधे लद्दाख पहुंच गया. उसने लेह एयरपोर्ट पर स्थित फॉरेनर्स रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिस काउंटर पर रजिस्ट्रेशन नहीं कराया. नियम के मुताबिक किसी भी विदेशी को लेह एयरपोर्ट पर मौजूद FRRO काउंटर पर रजिस्ट्रेशन कराना होता है, लेकिन कोंगताई ने ऐसा नहीं किया।

CRPF की तैनाती के बारे में ले रहा था जानकारी

अधिकारियों ने बताया कि अपने प्रवास के दौरान कोंगताई ने तीन दिनों तक जंस्कार इलाके का दौरा किया और 1 दिसंबर को श्रीनगर पहुंचने से पहले हिमालयी शहर में महत्वपूर्ण जगहों पर गया. अधिकारियों ने बताया कि उसके फोन की हिस्ट्री की जांच से पता चला कि वह घाटी में सीआरपीएफ की तैनाती के बारे में जानकारी ढूंढ रहा था और उससे कई एजेंसियां पूछताछ कर रही हैं।

भारतीय सिम कार्ड का इंतजाम किया

अधिकारियों के अनुसार हू कोंगताई ने बाजार से एक भारतीय सिम कार्ड का इंतजाम किया था. श्रीनगर में रहते हुए वो एक गैर पंजीकृत गेस्ट हाउस में रुका था. चीनी नागरिक हरवान में एक बौद्ध धार्मिक स्थल पर भी गया. जहां पिछले साल एक मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा का एक आतंकवादी मारा गया था।

अवंतीपोरा के खंडहरों का भी दौरा

अधिकारियों और उसके फोन से निकाले गए डेटा के अनुसार उसने दक्षिण कश्मीर में अवंतीपोरा के खंडहरों का भी दौरा किया था जो दक्षिण कश्मीर में सेना के विक्टर फोर्स मुख्यालय के पास स्थित है. अपने प्रवास के दौरान वह शंकराचार्य पहाड़ियां, हजरतबल और डल झील के किनारे मुगल गार्डन भी गया. अधिकारियों ने बताया कि उसके फोन की हिस्ट्री में सीआरपीएफ की तैनाती और संविधान के अनुच्छेद 370 से संबंधित सर्च दिखे हैं. जिसे अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त करने के लिए निरस्त कर दिया गया था।

पूछताछ में कही ये बात

जानकारी के मुताबिक कोंगताईने बोस्टन विश्वविद्यालय से भौतिकी में स्नातक किया है. पूछताछ में उसने बताया कि उसे यात्रा करना पसंद है. उसके पासपोर्ट से पता चलता है कि उसने अमेरिका, न्यूज़ीलैंड, ब्राज़ील, फ़िजी और हांगकांग सहित कई देशों की यात्रा की है. अधिकारियों का कहना है कि उसने वीजा नियमों का गंभीर उल्लंघन किया है और ऐसी स्थिति में अधिकतम कार्रवाई उसे वापस भेजना ही है. फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां उससे पूछताछ कर रही हैं और उसके फोन डेटा की जांच की जा रही है।

यूपी में एसआईआर ड्यूटी का बोझः 12 दिन में 10 बीएलओ की मौत, कई ने दी आत्महत्या की धमकी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली- उत्तर प्रदेश में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिविज़न (एसआईआर) अभियान ने इस हफ़्ते एक और गंभीर मोड़ ले लिया है. बरेली में एक बीएलओ की ब्रेन हैमरेज से मौत हो गई, मेरठ में एक अन्य बीएलओ ने आत्महत्या की कोशिश की, और बुलंदशहर में एक प्राइमरी स्कूल की शिक्षिका ने अपनी जान देने की धमकी दी. उनका कहना है कि एसआईआर के काम से उन पर असहनीय दबाव डाला जा रहा है।

इन घटनाओं के बाद, पिछले 12 दिनों में पूरे यूपी में बीएलओ की मौतों की संख्या 10 हो गई है, जिनमें तीन आत्महत्याएं शामिल हैं. बरेली में एमबी इंटर कॉलेज के प्रवक्ता और बीएलओ अजय अग्रवाल (51) की सोमवार देर रात मौत हो गई. वे एसआईआर ड्यूटी से घर लौटे थे. परिवार का कहना है कि 24 नवंबर से उन्हें डेटा-फीडिंग का काम दिया गया था, जिसकी वजह से वे बेहद तनाव में थे और यह काम उन्हें एक साधारण मोबाइल फोन पर करना पड़ रहा था. उनके बेटे प्रखर ने कहा, 'उन्होंने अधिकारियों से कहा था कि उन्हें एंड्रॉयड फोन चलाना भी नहीं आता, इसलिए उनके लिए डेटा अपलोड करना मुश्किल होगा. लेकिन किसी ने बात नहीं सुनी. जब भी वे दिक्कत महसूस करते, अधिकारी उन्हें डांट देते थे. वे लगातार कहते थे कि उन पर बहुत ज़्यादा काम का बोझ है और वो इसे संभाल नहीं पा रहे हैं.' अजय अपने बीमार पत्नी और बेटे को पीछे छोड़ गए हैं. बरेली के जिलाधिकारी अविनाश सिंह से इस मामले पर टिप्पणी नहीं मिल सकी. वहीं, सूबे के ही मेरठ में सिंचाई विभाग के क्लर्क और बीएलओ मोहित कुमार (लगभग 30 या आसपास की उम्र) ने मंगलवार रात ज़हर खाकर आत्महत्या करने की कोशिश की. उनकी पत्नी ने आरोप लगाया कि 'वरिष्ठ अधिकारियों के लगातार दबाव' ने उन्हें इस स्थिति तक पहुंचा दिया. ज्योति देवी ने कहा, 'मैं बस यही चाहती हूं कि किसी और पर मेरे पति जैसा दबाव न डाला जाए. हाथ जोड़कर मेरी सभी से विनती हैः कम से कम उन्हें ठीक से ट्रेनिंग देकर भेजें. यह कहना कि उन्हें ट्रेनिंग दी गई थी- एक झूठ है. असल में कोई ट्रेनिंग कभी दी ही नहीं गई.' हालांकि, मेरठ के डीएम वीके सिंह ने इन आरोपों को खारिज कर दिया और कहा, 'बूथ लेवल अधिकारी मोहित कुमार का काम संतोषजनक था. उन्होंने कीटनाशक क्यों खाया, यह जांच का विषय है. वह अब खतरे से बाहर हैं और उन्हें सर्वोत्तम इलाज दिया जा रहा है।'

सुसाइड की धमकी

इस बीच, बुलंदशहर में प्राथमिक विद्यालय की शिक्षिका रजनी ने वॉट्सऐप पर एक लिखित आत्महत्या की धमकी भेजी, जिसमें उन्होंने कहा कि वह अपनी बीएलओ ड्यूटी से जुड़े 'काम के बोझ और उत्पीड़न' को अब और सहन नहीं कर सकतीं. उन्होंने संदेश में लिखा, 'मैं पहले ही दिए गए काम का 50% से ज़्यादा पूरा कर चुकी हूं, फिर भी अधिकारी बार-बार अपने निर्देश बदल रहे हैं. पहले उन्होंने कहा कि सभी फ़ॉर्म बांट दो; फिर अचानक जल्दी-जल्दी वे फ़ॉर्म वापस मांग लिए और मुझ पर ऑनलाइन डेटा अपलोड करने का दबाव बनाने लगे.' ये घटनाएं उन कई मौतों की पृष्ठभूमि में सामने आई हैं जो हाल के दिनों में एसआईआर ड्यूटी के दौरान हुई हैं. इससे पहले हाथरस में एक 45 वर्षीय सरकारी शिक्षक की मंगलवार सुबह मौत हो गई, जब वह बीएलओ ड्यूटी पर जाने की तैयारी कर रहे थे; उनकी पत्नी ने इस मौत का कारण काम का तनाव बताया। संभल में हेडमास्टर अरविंद कुमार (40) की भी ड्यूटी के दौरान मौत हो गई, और उनके परिवार ने भी गंभीर दबाव को कारण बताया. उल्लेखनीय है कि बीते सप्ताह मुरादाबाद में 40 वर्षीय सहायक शिक्षक सर्वेश सिंह ने आत्महत्या कर ली. उन्होंने एक नोट में डिजिटल अपलोड के दबाव, नींद की कमी और निलंबन के डर का ज़िक्र किया था. फतेहपुर में लेखपाल सुधीर कुमार कुरील (27) ने अपनी शादी से एक दिन पहले आत्महत्या कर ली, कथित तौर पर उन्हें नौकरी से बर्खास्त करने की धमकी दी गई थी. गोंडा में 35 वर्षीय सहायक शिक्षक विपिन यादव ने ज़हर खा लिया, और उनकी पत्नी ने एक वीडियो रिकॉर्ड कर कहा कि उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा था. इसी तरह चार और कर्मचारी- बिजनौर की शोभा रानी (56), बरेली के सर्वेश कुमार गंगवार (47), लखनऊ के विजय कुमार वर्मा (40) और देवरिया की रंजू दुबे (44) ड्यूटी पर रहते हुए मौत हुई है. उनके परिवार वालों ने भी दावा किया।

इंडिगो संकट से उभरे व्यवस्था के बुनियादी प्रश्न

इंडिगो में हालिया बड़े पैमाने पर हुई फ्लाइट रद्दीकरण की घटना ने देश की विमानन व्यवस्था की गहरी परतें उजागर कर दी हैं। यह संकट केवल एक एयरलाइन की विफलता नहीं, बल्कि उस सोच और मॉडल की नाकामी है जिसने भारतीय विमानन को लंबे समय तक 'लीन और एफिशिएंट' रणनीति के नाम पर अनिश्चितता और अस्थिरता की ओर धकेला। इंडिगो जैसी विशाल एयरलाइन, जो अपने समय पर उड़ान भरने और व्यापक नेटवर्क के लिए जानी जाती रही है, आज इतने व्यापक परिचालन संकट में घिर जाए यह स्वाभाविक रूप से एक बड़े सिस्टम की चेतावनी का संकेत है।

संकट की जड़ में नए FDTL (फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन) नियमों का प्रभावी क्रियान्वयन रहा, जो 1 नवंबर 2025 से लागू हुए। इन नियमों ने पायलटों और केबिन क्रू के कार्य-घंटों पर कड़े प्रावधान लगाए। साप्ताहिक आराम 36 से बढ़ाकर 48 घंटे करना और नाइट लैंडिंग्स को 6 से घटाकर 2 कर देना। यह बदलाव पायलटों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और थकान प्रबंधन के लिए अनिवार्य था और वैश्विक मानकों के अनुरूप भी। परंतु इंडिगो ने इन बदलावों के प्रभाव को समय रहते न तो ठीक से समझा और न ही इसके लिए आवश्यक स्टाफिंग तैयार की। DGCA ने नियम लागू होने से नौ महीने पहले एयरलाइंस को तैयारी का समय दिया था, लेकिन इंडिगो के भीतर 'लीन मैनपावर' रणनीति ने इस लचीलापन को नज़रअंदाज़ कर दिया। यही वह बिंदु था, जहां से संकट की नींव पड़ी।

इंडिगो का पायलट रोस्टर पहले ही अपनी क्षमता की सीमा पर संचालित हो रहा था। जब नए FDTL नियम लागू हुए, तो पायलटों की आवश्यकता अक्टूबर में 2,186 से बढ़कर नवंबर में 2,422 हो गई, जबकि उपलब्ध संख्या 2,357 पर ही अटकी रही। यह महज संख्या का अंतर नहीं था बल्कि एक ऐसे ऑपरेशन का चित्र था, जो हर दिन किनारे पर डगमगाते हुए चल रहा था। फर्स्ट ऑफिसर्स की कमी ने स्थिति को और कमजोर किया। खासकर विंटर शेड्यूल, रेड-आई फ्लाइट्स और हाई-ट्रैफिक हब्स जैसे दिल्ली और मुंबई पर इस कमी के कारण रोस्टरिंग लगभग असंभव हो गई। परिणामस्वरूप मामूली देरी भी पूरे नेटवर्क में 'कैस्केडिंग कैंसिलेशन' में बदल गई, जैसा कि दिसंबर के पहले सप्ताह में देखने को मिला।

यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि इंडिगो ने पिछले महीनों में हायरिंग फ्रीज, सैलरी फ्रीज और अन्य एयरलाइंस के साथ नॉन-पोचिंग एग्रीमेंट जैसे निर्णय लिए, जिनका सीधा असर उसकी क्रू उपलब्धता पर पड़ा। यह रणनीति लागत नियंत्रण के लिहाज़ से आकर्षक लग सकती है, लेकिन विमानन जैसे जटिल और सुरक्षा-उन्मुख क्षेत्र में स्टाफ को 'लीन संसाधन' मानकर चलना जोखिमभरा कदम है। ऐसा मॉडल अनिश्चित मौसम, एयर ट्रैफिक कंजेशन, तकनीकी समस्याओं या स्टेशन-स्तर की गड़बड़ियों को सहन नहीं कर सकता। और यही हुआ—दिल्ली एयरपोर्ट जैसी जगहों पर चेक-इन और डिपार्चर कंट्रोल सिस्टम में आई तकनीकी दिक्कतें और कोहरे ने उस रोस्टर को चरमराकर गिरा दिया, जिसमें बफर क्रू का लगभग अभाव था।

दिल्ली इस संकट का केंद्र बना। 5 दिसंबर को इंडिगो की 235 सभी घरेलू उड़ानें रद्द हो गईं, एक ऐसा दृश्य जो भारतीय विमानन इतिहास में दुर्लभ है। दिल्ली इंडिगो का प्रमुख हब है, जहाँ रेड-आई फ्लाइट्स और रात के ऑपरेशनल दबाव अधिक होते हैं। नए FDTL नियमों की मार भी सबसे पहले और सबसे ज़्यादा इसी बेस पर पड़ी। जब दिल्ली चरमराया, तो उसके बाद मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे जैसे अन्य हब्स में भी कैंसिलेशन फैल गए। यह मानना गलत नहीं होगा कि इंडिगो का नेटवर्क एक अच्छी तरह निर्मित मशीन भले हो, लेकिन इस संकट ने दिखा दिया कि मशीन का हर पुर्जा पहले से ही अपनी अधिकतम क्षमता पर चल रहा था—और किसी भी दिक्कत में पूरी व्यवस्था ध्वस्त हो सकती है।

DGCA की भूमिका यहां निर्णायक रही। नियामक ने न केवल एयरलाइन से हर 15 दिन में प्रोग्रेस रिपोर्ट की मांग की, बल्कि उससे 30 दिनों में पूर्ण FDTL अनुपालन का विस्तृत रोडमैप जमा करने को भी कहा। DGCA ने 320 विमानों के लिए कुछ अस्थायी छूट दी जैसे लगातार फ्लाइंग घंटे 12 से बढ़ाकर 14 करना या क्रू लीव को वीकली रेस्ट के रूप में स्वीकार करना लेकिन यह स्पष्ट संदेश दिया कि पूर्ण अनुपालन की अंतिम सीमा 10 फरवरी 2026 ही है। यह डेडलाइन इस राजनीतिक और नियामक संकल्प का प्रतीक है कि सुरक्षा के मूल मानकों पर कोई समझौता नहीं होगा, चाहे ऑपरेशनल असुविधा कितनी भी बड़ी क्यों न हो।

मौजूदा संकट केवल विमानन मैनपावर की कमी का संकट नहीं, बल्कि यह उन रणनीतिक निर्णयों की भी विफलता है जो 'किफ़ायत' के नाम पर बने। किसी भी उद्योग में लागत नियंत्रण आवश्यक है, लेकिन यदि वह सुरक्षा, विश्वसनीयता और मानवीय संसाधनों के सम्मान को कमजोर करने लगे, तो वह टिकाऊ मॉडल नहीं रह जाता। इंडिगो को यह समझना होगा कि पायलट, केबिन क्रू और ग्राउंड स्टाफ मशीन का हिस्सा नहीं, बल्कि अपने कौशल और निर्णय क्षमता से हर दिन हजारों यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने वाले पेशेवर हैं। उन्हें थकावट की सीमा तक खींचना एयरलाइन के लिए भी और यात्रियों के लिए भी नुकसानदेह है।

यह संकट हमें विमानन उद्योग के भविष्य के बारे में भी सोचने पर मजबूर करता है। क्या एयरलाइंस को AI आधारित प्रेडिक्टिव रोस्टरिंग और बफर क्रू पूल जैसे आधुनिक विकल्पों को अपनाना चाहिए? क्या पायलटों के लिए कैडेट प्रोग्राम्स, तेज ट्रेनिंग रूट्स और बेहतर वेतन संरचना जरूरी है? क्या हवाई अड्डे पर तकनीकी अवसंरचना को मजबूत किए बिना हम बढ़ते यात्री ट्रैफिक का सामना कर सकते हैं? ये सवाल अब और टाले नहीं जा सकते।

अंततः, यात्रियों के अधिकारों की बात भी उतनी ही महत्वपूर्ण है, जिनके लिए यह संकट असुविधा, नुकसान और मानसिक तनाव का कारण बना। DGCA ने रिफंड, मुआवजा और री-बुकिंग के स्पष्ट नियम बनाए हैं, और इंडिगो ने भी दिसंबर की तारीखों पर पूर्ण वेवर की घोषणा की है। लेकिन आदर्श स्थिति यही होती कि यात्रियों को इस संकट से गुज़रने की आवश्यकता ही न पड़ती।

निष्कर्ष यह है कि भारतीय विमानन उद्योग को अब केवल 'लीन और एफिशिएंट' मॉडल तक सीमित न रहकर एक 'रिज़िलिएंट और सेफ्टी-फ़र्स्ट' मॉडल को प्राथमिकता देनी होगी। इंडिगो में हालिया संकट एक स्पष्ट चेतावनी है: यदि समय पर आवश्यक तैयारी न की जाए, स्टाफिंग स्तर पर्याप्त न हो, और यदि बुनियादी सुरक्षा एवं परिचालन क्षमता के नियमों की अनदेखी केवल लागत नियंत्रण के लिए की जाए, तो देश की सबसे बड़ी एयरलाइन भी कुछ ही दिनों में गंभीर परिचालन गतिरोध का सामना कर सकती है। यह वर्तमान स्थिति भारतीय आसमान को आने वाले वर्षों में सुरक्षित, स्थिर और भरोसेमंद बनाए रखने के लिए एक निर्णायक क्षण है—जो सुधार और गहन आत्ममंथन की मांग करता है।

महेन्द्र तिवारी

इंडिगो की मनमानी पर सरकार अंकुश लगाए

देश में बसों और ट्रेनों का अनायास रद्द होना आम बात है- कभी मौसम की मार, तो कभी धरना-आंदोलन के कारण। इसके चलते गरीब और मध्यम वर्गीय यात्रियों को स्टेशनों पर भटकते-बिलखते हमने अक्सर देखा है। लेकिन पहली बार ऐसा हुआ है कि उच्च मध्यमवर्गीय और फर्स्ट-क्लास विमान यात्रियों को भी उड़ान के लिए भटकना पड़ रहा है। हवाई यात्रा आज भी देश की आधी से अधिक आबादी का सपना मात्र है, इसलिए ज़मीनी और हवाई यात्रियों के दुख-दर्द अक्सर एक-दूसरे से अनजान ही रहते हैं। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने नवंबर से उड़ानों को अधिक सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के लिए नए नियम लागू किए हैं। इन नियमों में पायलटों और क्रू-स्टाफ के उड़ान समय और आराम अवधि को स्पष्ट रूप से तय किया गया है ताकि थकान-जनित जोखिमों को रोका जा सके।

सरकार की मंशा निस्संदेह सराहनीय है क्योंकि सुरक्षित उड़ान व्यवस्था की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी स्वयं पायलट होते हैं। नए नियमों से पायलटों और स्टाफ को राहत मिली है, परन्तु कुछ निजी विमान कंपनियों की असंतुष्टि भी सामने आई है। अब वे पायलटों से अत्यधिक उड़ान करवा कर शोषण नहीं कर पाएंगी। कई कंपनियों ने इन नियमों का पालन करना शुरू भी कर दिया, लेकिन देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो से यह अपेक्षा नहीं थी कि वह उड़ान रद्द कर यात्रियों को इस हद तक परेशान कर दे। यदि इंडिगो सचमुच नए नियमों के विरोध में जानबूझकर उड़ानें रद्द कर रही है, तो यह कदम उसकी विश्वसनीयता को गंभीर रूप से प्रभावित करेगा।

बेकोल उड़ानें रद्द होने का खामियाज़ा यात्रियों को भुगतना पड़ रहा है कहीं घंटों की मशक्कत, तो कहीं दूसरी कंपनियों द्वारा अचानक बढ़ाए गए किरायों के रूप में लूट। सरकार को इस मामले में कठोर रुख अपनाना चाहिए। इंडिगो के निर्णयों की स्वतंत्र जाँच करवाई जाए।दोषी पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाए। प्रभावित यात्रियों को उचित हर्जाना दिया जाए और दूसरी कंपनियों द्वारा किराए में अचानक की जा रही लूट पर भी तुरंत अंकुश लगाया जाए। हवाई यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा से कोई समझौता नहीं किया जा सकता।

तभी देश एक सुरक्षित, अनुशासित और भरोसेमंद हवाई सेवा प्रणाली का लाभ सचमुच पा सकेगा।

अरविंद रावल

आतंकवाद की नई परिभाषा गढ़ते तालिबान पाकिस्तान

पाकिस्तान तालिबान आमने-सामने।

तब जब तालिबान और पाकिस्तान एक-साथ मिलकर, अमेरिका व पश्चिम समर्थित अफगानी शासन के खिलाफ संघर्ष में थे। तब आतंकवाद, संगठित विद्रोह, और पनाह-गाह का एक साझा मंच था। उस संघर्ष का मकसद स्पष्ट था अफगानिस्तान में तालिबानी शासन स्थापित करना, और क्षेत्रीय देश अपने स्वार्थ साधना। पाकिस्तान ने अपने हितों के तहत तालिबान और उनसे जुड़े संगठनों को संरक्षण दिया था। कई आतंकी समूह चाहे वे तालिबान के ही हों या बहु-संगठित भारत, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, और मध्य एशिया में सक्रिय रहे लेकिन वक्त और हालात बदल गए। पहले जिस तालमेल को आतंकवाद की साझा पहचान ने जोड़ा था, अब वही लहू-खून और घात-छिपा युद्ध का कारण बन गया है। पिछले महीनों में सीमा पार कई हिंसक हमले हुए। कथित आतंकवादी संगठनों ने पाकिस्तान की सुरक्षाबलों पर हमले बढ़ा दिए। पाकिस्तान का आरोप है कि ये हमले विशेषकर उन संगठनों द्वारा अफगानिस्तान की जमीन से संचालित हो रहे हैं। हाल ही में, पाकिस्तान ने स्पष्ट रूप से चेतावनी दी कि अगर बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए), टीटीपी या अन्य प्रतिबंधित समूहों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई, तो अफगानिस्तान के शासन और तालिबान दोनों को दुश्मन माना जाएगा।

दूसरी ओर, तालिबान भी खामोश नहीं रहा। उसने पाकिस्तान द्वारा अफगानिस्तान में कथित हवाई हमलों जिनमें मासूमों की मौत हुई को 'अभियान', 'सैन्य घुसपैठ', और 'सरहद उल्लंघन' करार दिया। तालिबान के एक मंत्री ने पाकिस्तान की रक्षा नीति को चुनौती देते हुए, उसे 'कायर दुश्मन' कहा और चेतावनी दी कि इस तरह की हरकतों का जवाब दिया जाएगा। यही नाजुक संतुलन जो कभी साझा थे अब क्लेश, वियोग, और परस्पर अविश्वास में बदल गया है।

पाकिस्तान का कहना है कि तालिबान शासन ने उन आतंकवादी समूहों को पनाह दी जिन्होंने खुद पाकिस्तान की सेना व आम नागरिकों को निशाना बनाया। उनकी मांग यह है कि तालिबान उन समूहों को खदेड़े, या उन्हें समाप्त करने की ठोस कार्रवाई करें। क्योंकि, पाकिस्तान का कहना है, 'जो भी उन्हें पनाह देता है, उकसाता है या फंड करता है, वह हमारे लोगों का मित्र नहीं हो सकता।"

तालिबान के लिए जिसे अब काबुल में सत्ता मिली है ।यह कहना आसान हो सकता है कि 'वे अपने देश के अंदर सीमाओं और नागरिकों की रक्षा करेंगे'। लेकिन उस रक्षा की भी कीमत चुकानी पड़ी है। जब पाकिस्तान ने उत्तर वजीरिस्तान और कुर्म बार्डर क्षेत्र में आतंकवादियों के ठिकानों पर हवाई और थल हमले किए, तालिबान ने जवाबी कार्रवाई की धमकी दी। इस बदलते परिदृश्य को यदि हम तत्कालीन इतिहास से जोड़कर देखें: 2021 में जब तालिबान ने अफगानिस्तान में फिर सत्ता सँभाली, पाकिस्तान की उम्मीदें बहुत थीं कि तालिबान न सिर्फ अफगान, बल्कि क्षेत्रीय संतुलन में पाकिस्तान का साथ देगा। विशेष रूप से, भारत-पाकिस्तान कश्मीर के मसलों में तालिबान को पाकिस्तान का साथी बनाने की कवायद थी। लेकिन वह उम्मीद धरी की धरी रह गई। न तो तालिबान ने कश्मीर पर पाकिस्तान की किसी पुरज़ोर रणनीति का वादा निभाया, न ही भारत-विरोधी स्पष्ट राजनीतिक रुख अपनाया।

अब, जब तालिबान स्वयं आतंकवादियों के जिनमें टीटीपी, बीएलए आदि शामिल खिलाफ कार्रवाई में रुचि नहीं दिखा रहे, या दिखा भी रहे हो, पर कार्रवाई ठोस नहीं है, पाकिस्तान की नाराज़गी बढ़ने लगी। और इस

नाखुशी की आंच से दोनों पूर्व मित्र अब आपस में तलवारें खिंचने लगे हैं। इस विस्तृत परिप्रेक्ष्य में जहाँ दोनों ही पक्षों ने कभी आतंकवाद को पनाह दी, सहारा दिया आज विरासत खतरनाक है: अस्थिरता, अविश्वास, सीमा पर गोलीबारी, नागरिकों की जान और क्षेत्रीय राज-नैतिक असंतुलन।

भारत के लिए, यह संघर्ष सिर्फ एक सीमापार झड़प नहीं बल्कि एक व्यापक सुरक्षा, भू-राजनीति और कूटनीति का चेहरा है। क्योंकि जब पाक तालिबान जैसी शक्तियाँ आपस में झड़ रही हों, तो आतंकवाद का जाल और जटिल हो जाता है चाहे वह कश्मीर हो या पंजाब, चाहे भारत की सीमाएँ हों या मध्य एशिया का विस्तार। इसलिए, अब यह कहना लाजिमी हो गया है कि 'आतंकवादियों को पनाह देने' वाले देशों चाहे कभी मित्र रहे हों का अंत निश्चित था। और वह अंत सिर्फ उनकी अपूर्णीय साझेदारी का ही नहीं, बल्कि उस साझेदारी के दायित्वों, कूटनीतिक दावों और सुरक्षा प्रणालियों की विफलता का प्रतीक है।

आज, पाकिस्तान राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक तीनों मोर्चों पर अस्थिरता से गुजर रहा है। उसकी सेना, उसकी सीमाएँ, उसका भरोसा सब कुछ सवालों पर है। एक अस्थायी, गठबंधन-सरकार की राजनीतिक कमजोरी, आर्थिक संकट, और बढ़ती आंतरिक असुरक्षा इन सबके बीच तालिबान का विरोध उस संकट को और गहरा कर रहा है। इस पाशविक युग में, आतंकवाद जो कभी साझा उद्देश्य था अब दोनों के लिए भड़की हुई आग बन गया है। क्योंकि आतंकवादी कभी अपने चरित्र को नहीं भूलते और इस आग में, सीमाएँ नहीं इंसान, जन-जीवन, राज-नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा जलती है। इसलिए, यह वक्त सिर्फ सामरिक भूल-चूक की नहीं, बल्कि नैतिक पुनर्मूल्यांकन का भी है। आतंकवाद के प्रतीक बने देशों की पहचान मुड़ चुकी है अब वे केवल स्वयं को बचाने की होड़ में हैं।

भारत के लिए, यह अवसर है न सिर्फ सुरक्षा की तैयारी करने का, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर यह संकेत देने का कि आतंकवाद केवल एक देश या संगठन का नहीं, बल्कि एक वैश्विक समस्या है जिसकी जड़ें साझा हैं। क्योंकि आतंकवादियों के खिलाफ गठबंधन, सिर्फ युद्ध की रणनीति नहीं एक नैतिक और वैचारिक लड़ाई है। और जब दो पूर्व सहयोगी, आपस में संघर्षरत हों तब असली जीत उस विचार की होगी जो आतंकवाद की पनाह-गाहों को मिटा दे, और मानवीय सुरक्षा, कूटनीतिक स्थिरता व क्षेत्रीय शांति को प्राथमिकता दे।

संजीव ठाकुर

संपादकीय

पुतिन की भारत यात्रा से सम्बंधों में नया अध्याय जुड़ा

भारत और रूस के संबंध केवल दो देशों के बीच एक लंबा आपसी भरोसा सिर्फ कूटनीतिक संबंध नहीं हैं, बल्कि यह सात दशकों से चले आ रहे परस्पर विश्वास सहयोग और रणनीतिक साझेदारी की विरासत है। अनेक अंतरराष्ट्रीय उतार-चढ़ावों के बीच भी यह दोस्ती अपनी स्थिरता और परंपरा के लिए पहचाना जाता रहा है। आजादी के बाद भारत के सामने जब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर चुनौतियां आई, रूस सबसे आगे खड़ा दिखाई दिया। यही कारण है कि भारत-रूस संबंधों को एक राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की दो दिवसीय भारत यात्रा से दोनों देशों की प्रमाणित दोस्ती बतौर देखा जा रहा है। दोनों देशों के बीच हुए समझौते और पुतिन और भारत यात्रा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हुई व्यापक चर्चाओं ने इस साझेदारी को एक नया आयाम दिया है। आपको बता दें कि दिल्ली के हैदराबाद हाउस में हुई वार्ता दूरगामी प्रभावों वाली भी साबित है। यह कहना गलत नहीं होगा कि भारत-रूस संबंधों में यह क्षण 'डील ऑफ द डिकेड' के रूप में दर्ज हो सकता है। रोजगार, व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा, कनेक्टिविटी और भविष्य की तकनीकों जैसे क्षेत्रों में जिस पैमाने पर समझौते हुए हैं, वह बताते हैं कि दोनों देश संबंधों को एक निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुके हैं। यह मोड़ केवल कूटनीति का नहीं, बल्कि आर्थिक, तकनीकी, ऊर्जा, नौकरी, हेल्थकेयर और वैश्विक राजनीति के हर पहलू का है। विशेष रूप से ऐसे समय में जब विश्व व्यवस्था तीव्र गति से बदल रही है, पश्चिम और रूस के बीच टकराव गहराया हुआ है, चीन का प्रभाव बढ़ रहा है और ग्लोबल साउथ नई भूमिका तलाश रहा है, भारत और रूस का यह नया अध्याय एशिया से यूरेशिया तक की भू-राजनीतिक धुरी को पुनर्परिभाषित करने की क्षमता रखता है। सबसे बड़ा संदेश इस यात्रा से यह निकल कर आया है कि भारत और रूस दोनों ही अब पारंपरिक मित्रता को आधुनिक वैश्विक जरूरतों के अनुरूप पुनर्स्थापित करना चाहते हैं। उदाहरण के लिए, 30 दिन का 'फ्री वीजा' और माइग्रेशन मोबिलिटी समझौता भविष्य में दोनों देशों के बीच मानव संसाधन के आदान-प्रदान को बेहद सरल बनाएगा। रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ हुए समझौते में भारत सरकार ने 30 दिनों का फ्री ई-वीजा जारी करने की सुविधा देने की घोषणा की है। इससे भारत आने वाले रूसी पर्यटकों के लिए बेहद आसानी हो जाएगी। पर्यटन मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक करीब 79.7 फीसदी रूसी पर्यटक मनोरंजन, छुट्टियां बिताने, स्मारक देखने के लिए भारत आते हैं। करीब 11.2 फीसदी रूसी पर्यटक ही व्यापार के लिए आते हैं लेकिन वह भी ताजमहल समेत अन्य स्मारक देखने पहुंचते हैं। आपको पता रहे रूस के पास संसाधनों की कोई कमी नहीं, लेकिन उसे कुशल कामगारों की जरूरत है। दूसरी तरफ भारत युवा शक्ति वाला देश है, जहां लाखों युवाओं के सामने नए रोजगार के अवसरों की खोज सर्वोपरि है। इस समझौते से भारत के युवाओं के लिए रूस में रोजगार के व्यापक अवसर खुलेंगे, वहीं रूस को योग्य प्रशिक्षित मानव संसाधन मिलेगा। यह सहयोग केवल आर्थिक लाभ का नहीं, बल्कि दीर्घकालिक मानवीय और सांस्कृतिक जुड़ाव का भी आधार बनेगा। भारत-रूस आर्थिक कार्यक्रम 2030 ने दोनों देशों की महत्वाकांक्षा को और स्पष्ट किया है। 100 बिलियन डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार का लक्ष्य साधारण नहीं है। वर्तमान परिस्थितियों में जब रूस पश्चिमी प्रतिबंधों के कारण नए बाजार की तलाश में है, भारत उसकी आर्थिक संतुलन का विश्वसनीय भागीदार बनकर उभर रहा है। वहीं भारत के लिए रूस ऊर्जा, खनिज, दवाइयों, रक्षा और तकनीक का एक स्थाई स्त्रोत है। यह आर्थिक विस्तार दोनों देशों के लिए समान रूप से लाभकारी है। साथ ही यह भी उल्लेखनीय है कि इस बार सबसे अधिक फोकस हेल्थकेयर, शिक्षा, विज्ञान और तकनीक पर किया गया । यह संकेत है कि संबंध अब केवल रक्षा सौदों या बड़े औद्योगिक समझौतों पर निर्भर नहीं रहेंगे, बल्कि लोगों की रोजमर्रा की जरूरतों और विकास की दिशा में आगे बढ़ेंगे। स्वास्थ्य साझेदारी में रूस की उच्चस्तरीय मेडिकल तकनीक और भारत की सस्ती जेनरिक दवाइयां, दोनों देशों को स्वास्थ्य सुरक्षा का नया मॉडल दे सकती हैं।

मेडिकल रिसर्च और शिक्षा में सहयोग से युवाओं के लिए नए अवसर भी बनेंगे। समुद्री व्यापार पर हुए समझौते भी भविष्य की वैश्विक अर्थव्यवस्था को देखते हुए बेहद महत्वपूर्ण हैं। आर्कटिक रूट और पोलर वाटर्स के माध्यम से नए शिपिंग कॉरिडोर विकसित करने पर भारत-रूस की सहमति अंतरराष्ट्रीय व्यापार मार्गों में भारत की भूमिका बढ़ाएगी। इससे भारत का समुद्री व्यापार तेज, लागत, प्रभावी और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में सक्षम होगा। रूस के लिए यह आय का स्थाई स्त्रोत तथा एशियाई बाजारों तक पहुंच का नया रास्ता बनेगा। हालांकि, इस यात्रा के दौरान किसी बड़े रक्षा समझौते की घोषणा नहीं की गई। यह स्वयं में एक संकेत है कि भारत अब रक्षा के पुराने ढांचे से निकलकर तकनीक और उत्पादन के नए विकल्प तलाश रहा है। भारत निजी क्षेत्र को रक्षा और अंतरिक्ष जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में प्रवेश दे चुका है, और अब मोदी सरकार सिविल न्यूक्लियर सेक्टर को भी निजी निवेश के लिए खोल रही है। यह कदम केवल प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि एक वैचारिक परिवर्तन है जो भारत को विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेज गति से आगे बढ़ाएगा। पुतिन ने भी यह स्पष्ट कर दिया कि उनकी यात्रा केवल तेल और गैस के सौदों तक सीमित नहीं है। वे भारत के साथ साझेदारी को व्यापक, संतुलित और दीर्घकालिक बनाना चाहते हैं। यही सोच भारत-रूस रिश्ते को अन्य वैश्विक मित्रताओं से अलग बनाती है, जहां संबंध किसी एक एक क्षेत्र पर असंतुलित निर्भरता के बजाय बहुआयामी सहयोग पर आधारित हों। इसमें कोई दोमत नहीं है कि भारत मंडपम में प्रधानमंत्री मोदी और पुतिन की उपस्थिति में आयोजित इंडो-रूस विजनेस फोरम ने न केवल द्विपक्षीय आर्थिक संभावनाओं को नई दिशा दी, बल्कि बदलती वैश्विक राजनीति के बीच दोनों देशों की साझेदारी की गहराती मजबूती का भी स्पष्ट संदेश दिया। इस मंच से प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन की टिप्पणियों ने भारत-रूस संबंधों की वर्तमान गति, भविष्य की दिशा और वैश्विक संदर्भ में इन रिश्तों की अहमियत को कई स्तरों पर रेखांकित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में रूस को सबसे भरोसेमंद दोस्त बताते हुए कहा कि वैश्विक चुनौतियों का सामना केवल अस्थायी उपायों से नहीं किया जा सकता; इसके लिए दीर्घकालिक और टिकाऊ समाधान आवश्यक हैं। यह विचार आज की दुनिया में अत्यंत प्रासंगिक है, जहां भू-राजनीतिक तनाव, ऊर्जा संकट, महामारी, आर्थिक अस्थिरता और जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याएं एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हुई हैं। भारत और रूस, दोनों ही देश अपने-अपने तरीके से इन चुनौतियों से जूझ रहे हैं। इस संदर्भ में साझेदारी न केवल द्विपक्षीय हितों को आगे बढ़ाती है, बल्कि वैश्विक विमर्श में भी एक संतुलित आवाज का निर्माण करती है। राष्ट्रपति पुतिन ने भारत की आर्थिक प्रगति की सराहना करते हुए कहा कि भारत 'स्वतंत्र नीति' अपना रहा है और किसी दबाव में नहीं झुकता। यह टिप्पणी आज के परिवर्तित भू-राजनीतिक वातावरण में महत्वपूर्ण है। पश्चिमी देशों के दवाव के बावजूद भारत ने रूस के साथ ऊर्जा, रक्षा और व्यापार संबंधों में स्वतंत्र निर्णय क्षमता दिखाई है। पुतिन का यह बयान भारत की वैश्चिक स्थिति को और मजबूती देता है। इसके साथ ही उन्होंने व्यापार वृद्धि के आंकड़े भी दिए कि पिछले तीन वर्षों में 80 प्रति की रिकॉर्ड की रिकॉर्ड वृद्धि और 64 अरब डॉलर का व्यापार। यह तथ्य भारत-रूस संबंधों में व्यावहारिकता और आर्थिक पूरकता की मजबूती का प्रमाण है। कुल मिलाकर देखा जाए तो पुतिन की यह यात्रा केवल कागजी समझौतों की सूची नहीं, बल्कि बदलती दुनिया में एक स्थायी और विश्वसनीय साझेदारी की पुनर्पुष्टि है। भारत और रूस दोनों जानते हैं कि भविष्य की विश्व व्यवस्था बहुध्रुवीय होगी, और ऐसी व्यवस्था में मजबूत, भरोसेमंद और दीर्घकालिक साझेदारियों सबसे बड़ा सामरिक पूंजी होंगी। यह यात्रा उसी दिशा में एक निर्णायक कदम है। उधर इस यात्रा से अमेरिका में बेचैनी है। पूर्व पेंटागन अधिकारी माइकल रुबिन ने दावा किया कि भारत-रूस नजदीकियों का श्रेय पुतिन नहीं, बल्कि ट्रंप को जाता है. उन्होंने कहा कि मोदी की पुतिन के प्रति मेजबानी, अमेरिका की गलत नीतियों और भारत की रणनीतिक जरूरतों का परिणाम है. रुबिन ने कहा कि अमेरिका को भारत को लेक्चर देना बंद करना चाहिए। पाकिस्तान और चीन के माथे पर भी लकीरें खिंच गयी है। पुतिन का यह दौरा भारत और रूस के संबंधों की नयी सीढ़ी बना है। **मनोज कुमार अग्रवाल**

भारत रूस 75 वर्ष की कूटनीतिक यात्रा और अमेरिका की नई सुरक्षा रणनीति

भारत और रूस पूर्व सोवियत संघ के राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ है। एक ऐसा पड़ाव जो गौरव, संघर्ष, विश्वास और ऐतिहासिक उपलब्धियों से भरा है। 1950 और 1960 के दशक में सोवियत संघ की मदद से भारत में भारी उद्योग, स्टील प्लांट, मशीन टूल्स, परमाणु ऊर्जा तथा बड़े बिजली संयंत्रों की नींव रखी गई। 1971 की भारत सोवियत मैत्री संधि ने दोनों देशों को रणनीतिक साझेदारियों के स्वर्ण युग में प्रवेश कराया। इन सात दशकों में न तो विश्वास डगमगाया और न ही नीतियों में अस्त-व्यस्तता आई।यही कारण है कि मास्को और दिल्ली की दोस्ती आज भी उतनी ही मजबूत है जितनी उस दौर में थी, जब दुनिया द्विध्रुवीय शक्ति-संतुलन से संचालित होती थी।रूस ने भारत को सैन्य रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने में असाधारण भूमिका निभाई। आज भी भारतीय सेनाओं के लगभग 60% हथियार रूसी तकनीक से निर्मित हैंमिग -21 से लेकर सुखोई30एमकेआई टी 90 टैंक, ब्रह्मोस मिसाइल और एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम तक। यह संबंध सिर्फ सौदेबाज़ी नहीं, बल्कि विश्वास पर आधारित दीर्घकालिक कूटनीति का उदाहरण हैइसी परिप्रेक्ष्य में, वैश्विक राजनीति के बदलते स्वरूप ने अमेरिका की नई रणनीतियों को भी प्रभावित किया है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन की भारत यात्रा के तुरंत बाद अमेरिका ने अपनी नई नेशनल सेक्युरिटी स्ट्रेटेजी जारी की, जिसने दुनिया के शक्ति-संतुलन पर गहरा संदेश दिया है। 33 पन्नों के इस दस्तावेज़ ने अमेरिकी प्राथमिकताओं, साझेदारियों और चुनौतियों का नया खाका पेश किया है। यह नई रणनीति क्या संकेत देती है और भारत रूस संबंधों की 75 वर्ष की यात्रा के संदर्भ में इसका क्या महत्व है।

भारत रूस संबंध 75 वर्ष– विश्वास और रणनीतिक स्थिरता की अनूठी मिसाल है। भारत और रूस के रिश्ते सिर्फ कूटनीतिक संवाद तक सीमित नहीं रहे, बल्कि उन्होंने समय की कसौटी पर खुद को बार-बार सिद्ध किया हैसोवियत संघ की तकनीकी और औद्योगिक सहायता 1950-60 के दशक में यूएसएसआर ने भारत को भारी उद्योगों का बुनियादी ढांचा दिया। भिलाई और बोकारो स्टील प्लांट, मशीन टूल्स फैक्ट्रियां, पावर प्लांट, अंतरिक्ष कार्यक्रम आदि इन सभी में रूसी सहयोग का गहरा प्रभाव रहा। यह वही समय था जब दुनिया दो ध्रुवों में बंटी हुई थी और नवस्वतंत्र भारत को एक ऐसे सहयोगी की जरूरत थी, जो विकास के हर मोर्चे पर साथ खड़ा रह सके। 1971 की अभूतपूर्व मैत्री संधि सार्थक सिद्द हुई।भारत-सोवियत मैत्री, सहयोग और पारस्परिक सहायता संधि ने दोनों देशों के बीच ऐसी सामरिक समझ पैदा की, जिसने 1971 के युद्ध में निर्णायक भूमिका निभाई। यह संधि सिर्फ सैन्य सहयोग नहीं, बल्कि राजनीतिक विश्वास का सबसे ठोस प्रमाण थी। सैन्य शक्ति का स्तंभ भारत की रक्षा क्षमता का बड़ा हिस्सा रूस से मिला।मिग -21 ने भारत की वायु शक्ति की रीढ़ मजबूत की। सुखोई 30 एमकेआईआज भी भारत का सबसे भरोसेमंद फाइटर रहा हैब्रह्मोस मिसाइल ने भारत को सुपरसोनिक हथियारों की श्रेणी में अग्रणी बनाया।एस-400 सिस्टम भारत की वायु सुरक्षा का नया कवच बना।रूस की यह सैन्य सहायता किसी भी तत्कालिक सौदे की तरह नहीं थी, बल्कि दीर्घकालिक साझेदारी पर आधारित थी। भारत अमेरिका की द्विपक्षीय सौदेबाजी में उस समय विरोधाभास देखने को मिला है,तब अमेरिका के रास्ट्रपति ट्रम्प ने भारत की आयात निर्यात प्रणाली को प्रभावित कर उस पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाई गई थी।अमेरिका को भारत की आवश्यकता क्यों है? वैश्विक भू-राजनीति में यह स्पष्ट है कि आज अमेरिका के लिए भारत उतना ही जरूरी है जितना भारत के लिए अमेरिका। चीन अमेरिका की सबसे बड़ी चुनौती है। चीन का उभार अमेरिका के लिए एक दीर्घकालिक रणनीतिक चुनौती बन चुका है। एशिया प्रशांत से हिंद प्रशांत तक चीन की आक्रामक नीतियों ने अमेरिका को ऐसे साझेदारों की तलाश में धकेला है, जिनके पास जनशक्ति, भौगोलिक स्थिति और सैन्य क्षमता तीनों हों।भारत इस संदर्भ में स्वाभाविक रूप से सबसे उपयुक्त साझेदार है। अमेरिका की नई राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति और वैश्विक नेतृत्व की पुनर्स्थापना का प्रयास आज के परिपेक्ष्य में अहम भागीदारी निभा रहा हैपुतिन की भारत यात्रा के तुरंत बाद अमेरिकी प्रशासन द्वारा जारी की गई नेशनल सिक्युरिटी स्ट्रेटेजी कई मायनों में महत्वपूर्ण है। इस दस्तावेज़ ने अमेरिकी कूटनीति और सामरिक प्राथमिकताओं को नए ढंग से परिभाषित किया है।

पश्चिमी गोलार्ध में अमेरिकी प्रभुत्व का पुनर्स्थापन– दस्तावेज़ का मुख्य उद्देश्य यह स्थापित करता है कि अमेरिका अपने निकटतम भौगोलिक क्षेत्र पश्चिमी गोलार्ध में अपने प्रभाव को पुनर्स्थापित करेगा। लैटिन अमेरिका और कैरेबियन में बढ़ते चीनी प्रभाव को चुनौती देना भविष्य प्रभावित करने की सम्भावना है। इस बीच नशीले पदार्थों, अवैध प्रवास और संगठित अपराध पर नियंत्रण जरूरी है।आर्थिक सहयोग को रणनीतिक सुरक्षा से जोड़ना उचित होगा।यह स्पष्ट संकेत है कि अमेरिका अब वैश्विक स्तर पर छिटपुट नीतियों के बजाय क्षेत्रीय सुदृढ़ता पर जोर देगा।एनएसएस में पहली बार यूरोप पर इतने स्पष्ट और कड़े शब्दों में टिप्पणी की गई है। यूरोपीय देशों की बढ़ती निर्भरता के कई कारण हो सकते है। रक्षा खर्च में कमी,रूस और चीन के साथ स्वतंत्र समीकरण, द्वऔर अमेरिका इन मुद्दों को अपने सामरिक हितों के विपरीत मानता है।33 पन्नों के दस्तावेज़ में भारत, रूस और चीन तीनों को विशेष स्थान दिया गया है, लेकिन तीनों के संदर्भ अलग-अलग हैं।अमेरिका ने भारत को प्रमुख लोकतांत्रिक शक्ति ,हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्वाभाविक साझेदार और तकनीकी और आर्थिक क्षमता वाला राष्ट्र के रूप में परिभाषित किया है।यह संदेश है कि अमेरिका भारत के साथ दीर्घकालिक साझेदारी को महत्वपूर्ण मानता है, चाहे भारत रूस के साथ अपने संबंध कैसे भी बनाए रखे।एनएसएस में रूस को रणनीतिक प्रतिद्वंद्वी सैन्य शक्ति वाला आक्रामक राष्ट्र के रूप में वर्णित किया गया है।लेकिन साथ ही यह भी माना गया है कि रूस को पूरी तरह अलग-थलग करना लंबे समय में संभव नहीं।दस्तावेज़ में चीन को सबसे बड़ा रणनीतिक प्रतिस्पर्धी आर्थिक और सैन्य चुनौती करार दिया गया है। अमेरिका की पूरी रणनीति चीन-निरोध पर केंद्रित है। भारत की भूमिका और महत्व बढ़ा है।एनएसएस का संदेश स्पष्ट है कि अमेरिका भारत को सिर्फ साझेदार नहीं, बल्कि वैश्विक नेतृत्व के एक स्तंभ के रूप में देखता है। लोकतंत्र जनसंख्या भौगोलिक स्थिति भारत रूस संबंधों का ऐतिहासिक पक्ष इन चारों वजहों से भारत विश्व राजनीति में संतुलनकारी शक्ति बन चुका है। रूस भारत संबंध अमेरिका को स्वीकार नही है।नई रणनीति में अमेरिका यह मानकर चल रहा है कि भारत और रूस के संबंध ऐतिहासिक हैं और अमेरिका इन्हें बदल नहीं सकता। इसलिए अमेरिका भारत पर दबाव डालने के बजाय उसके साथ सहयोग बढ़ने की नीति अपना रहा है।चीन के खिलाफ भारत निर्णायक मुड़ में है। अमेरिका की रणनीति का सबसे महत्वपूर्ण तत्व यह है कि चीन को संतुलित करने में भारत अब अपरिहार्य है। भारत रूस की 75 वर्ष पुरानी दोस्ती ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में भारत की स्थिति को मजबूत किया है। यह संबंध विश्वास, सहयोग और साझा हितों पर आधारित है।दूसरी ओर, अमेरिका की नई राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति यह दर्शाती है कि दुनिया एक नए शक्ति संतुलन की ओर बढ़ रही है, जहाँ भारत रूस का पुराना सहयोगी अमेरिका का नया रणनीतिक साझेदार चीन का भू-क्षेत्रीय संतुलनकर्ता तीनों भूमिकाओं में निर्णायक महत्व रखता है। आज भारत के पास वह क्षमता और सामर्थ्य है, जहाँ वह वैश्विक कूटनीति का केंद्र बन सकता है। अमेरिका, रूस और चीन तीनों शक्तियाँ इसे स्वीकार कर चुकी हैं। इस प्रकार भारत रूस संबंधों की 75वीं वर्षगांठ और अमेरिका की नई रणनीति दोनों मिलकर दुनिया को यह संदेश देते हैं कि आने वाला दशक भारत-केंद्रित कूटनीति का दशक होगा।

कांतिलाल मांडोत

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। **R.N.I NO. UPHIN/2009/34814 मो0 नं0 -9511151254,** E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

तहसील सभागार में एसडीएम गौतम सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुआ समाधान दिवस

महराजगंज/रायबरेली। तहसील सभागार में एसडीएम गौतम सिंह की अध्यक्षता में आयोजित समाधान दिवस में कुल 29 शिकायतें दर्ज की गई। शिकायतों में सर्वाधिक शिकायतें राजस्व और पुलिस विभाग से संबंधित रहीं। आई शिकायतों में राजस्व की 11, पुलिस की 11, अन्य विभागों से 7 शिकायतें रही। कुल 29 शिकायतों में दो शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। एसडीएम गौतम सिंह ने उपस्थित अधिकारियों को समय पर शिकायतों के निस्तारण के निर्देश दिए। इस मौके पर तहसीलदार मंजुला मिश्रा, सी.ओ. प्रदीप कुमार,कोतवाल जगदीश यादव, खण्ड शिक्षा अधिकारी राम मिलन यादव, बी.डी.ओ. वर्षा सिंह, आदि मौजूद रहे।

समाधान दिवस में जमीन विवाद, निर्माण अवरोध और टप्पेबाजी की शिकायतें

लालगंज (रायबरेली)। तहसील सभागार में शनिवार को नायब तहसीलदार ऋतुराज नागर की अध्यक्षता में समाधान दिवस आयोजित किया गया, जिसमें फरियादी बड़ी संख्या में अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे।पूरे मेहरबान मजरे जमुआवां निवासी सविता यादव ने बताया कि उन्हें हिबानामा के माध्यम से प्राप्त भूमि पर गांव के कुछ लोगों द्वारा धमकाया गया और जान से मारने की धमकियाँ दी गई। अलमपुर ग्राम प्रधान अमित कुमार ने नवरंग का पुरवा गांव में बन रहे आंगनबाड़ी केंद्र के निर्माण में जबरन बाधा डालने की शिकायत की। उनका कहना है कि बंजर भूमि पूर्व में ही खाली कराई जा चुकी है, फिर भी आरोपी निर्माण रोकने का प्रयास कर रहा है।बाईपास रोड निवासी रामलली ने टप्पेबाजी की स्नढ्ढक्र दर्ज कराने की मांग उठाई। उन्होंने बताया कि 31 अक्टूबर को नाती को स्कूल से लाने के दौरान अज्ञात युवकों ने बरगला कर उनके झुमके व अंगूठी उतरवा ली, लेकिन शिकायत के बावजूद अभी तक मुकदमा दर्ज नहीं हुआ।समाधान दिवस में कुल 35 शिकायतें दर्ज की गई, जिनमें से 10 का निस्तारण मौके पर ही किया गया।

विदेश भेजने के नाम पर 3.60 लाख की ठगी, टूर एंड ट्रैवल कंपनी फरार

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के डलमऊ रोड स्थित एक टूर एंड ट्रैवल कंपनी पर चार युवकों ने विदेश भेजने के नाम पर ठगी का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़ितों के अनुसार कंपनी संचालकों ने उनसे कुल 3 लाख 60 हजार रुपए व पासपोर्ट लेकर दफ्तर बंद कर दिया और फरार हो गए।गुरबक्शगंज थाना क्षेत्र के बहुआ कृष्णपुर ताला निवासी रामराज, अंश और मनोज कुमार तथा खीरों क्षेत्र के गहिरीखेड़ा निवासी मनोज ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि आरोपियों ने उन्हें विदेश भेजने का झांसा दिया। प्रत्येक से 90-90 हजार रुपए लिए गए। तय तारीख आने पर जब उन्होंने संपर्क करना चाहा तो आरोपियों के मोबाइल बंद मिले। दफ्तर पहुंचे तो वहां ताला बंद मिला, जिसके बाद ठगी का शक पक्का हो गया।पीड़ितों के अनुसार इससे पहले फतेहपुर जनपद के नौ लोग भी इसी कंपनी पर करीब 10 लाख रुपए हड़पने का आरोप लगा चुके हैं।प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि फिलहाल तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। शिकायत मिलने पर जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

सुनीत अग्रवाल की अध्यक्षता में औषधि विक्रेता संघ की बैठक हुई संपन्न

बिसवां, सीतापुर औषधि विक्रेता संघ बिसवां की एक आवश्यक बैठक नोबेल पैथोलॉजी के प्रांगण में अध्यक्ष सुनीत अग्रवाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में सर्वसम्मति से नारकोटिक ड्रग्स एवं कोडिन युक्त कफ सिरप की बिक्री संबंधी महत्वपूर्ण गाइडलाइनें औषधि विक्रेताओं को जारी की गई। अध्यक्ष सुनीत अग्रवाल ने निर्देश दिया कि नारकोटिक्स व कोडिन युक्त कफ सिरप सहित प्रतिबंधित दवाओं की बिक्री केवल रजिस्टर्ड मेडिकल प्रैक्टिशनर के वैध पर्चे पर ही की जाए तथा पर्चे की एक प्रति रिकॉर्ड में सुरक्षित रखी जाए। बैठक में नरेश श्याल, कमलेश वर्मा, पप्पू जमा, मुदस्सिर हुसैन, रजत अग्रवाल, लवकुश वर्मा वंश मेहरोत्रा, ब्रजेश वर्मा, शौरभ श्याल, विजय अवस्थी मनोज मंगल आशीष गुप्ता सहित बड़ी संख्या में औषधि विक्रेता मौजूद रहे।

आरक्षी ने दुकानदार से की अभद्रता असलहे से धमकाया, वीडियो वायरल होने पर एसपी ने किया निलंबित, शुरू की जांच

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के शहर कोतवाली क्षेत्र में तैनात एक आरक्षी का दुकानदार से अभद्रता और धमकी देने का मामला सामने आने के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया मालखाने में तैनात आरक्षी श्याम जी का एक वीडियो शुक्रवार देर रात सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें वह एक दुकानदार को गाली-गलौच करते और सरकारी असलहे के बल पर धमकाते नजर आ रहा है वायरल वीडियो की अवधि लगभग 1 मिनट 14 सेकेंड की बताई जा रही है। मामला शहर कोतवाली इलाके के लालबाग चौराहे के पास स्थित 99 स्टोर का है। बताया जाता है कि गुरुवार की देर रात दुकान बंद करने के समय आरक्षी श्याम जी वहां पहुंचे और दुकानदार से कुछ देने की मांग करने लगे दुकानदार के मना करने और यह कहने पर कि यहां 99 रुपये में सभी सामान मिलता है, आरक्षी भड़क गए। आरोप है कि इसके बाद उन्होंने दुकान स्वामी से सोने की चेन मांगी, जिस पर विवाद और बढ़ गया। वायरल वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि आरक्षी अपने पास मौजूद सरकारी असलहे को दिखाकर दुकानदार और कर्मचारियों को धमका रहे हैं। यह पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई जिसके बाद वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने लगा। वीडियो सामने आने के बाद आम लोगों में पुलिस की छवि को लेकर रोष देखा गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल ने मामले को गंभीरता से लेते हुए शनिवार सुबह आरक्षी श्याम जी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया साथ ही पूरे प्रकरण की जांच सीओ सिटी को सौंपी गई है एसपी ने स्पष्ट किया है कि जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर आगे की सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि कानून का पालन कराने वालों द्वारा कानून तोड़े जाने को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा फिलहाल जांच शुरू कर दी गई है और वीडियो के आधार पर सभी पहलुओं की पड़ताल की जा रही है!

तेज रफ्तार मोटरसाइकिल सवार ने एक बुजुर्ग साइकिल सवार को तेज टक्कर मार दी

रायबरेली। गुरुबक्शगंज थाना क्षेत्र के बाँदा-बहराईच राजमार्ग पर स्थित ओनई गाँव में शुक्रवार की शाम एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल सवार ने एक बुजुर्ग साइकिल सवार को तेज टक्कर मार दी। इस घटना में साइकिल सवार बुजुर्ग की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं अज्ञात बाईक सवार अपनी बाईक मौके पर छोड़कर घटनास्थल से फरार हो गया। सतांश जानकारी के अनुसार शुक्रवार की शाम करीब 5 बजे क्षेत्र के गढ़ी दूलारॉय गाँव निवासी नेवल(62) पुत्र शीतलदीन रैदास अपनी साइकिल से ओनई गाँव से अपने घर वापस जा रहे थे, तभी लालगंज की तरफ से आ रहे तेज रफ्तार मोटरसाइकिल(यूपी33बी क्यू4283) सवार ने साइकिल में तेज टक्कर मार दी। घटना में साइकिल सवार बुजुर्ग के सिर में गम्भीर चोट आई और घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई, वही घटना के बाद मोटरसाइकिल सवार मोटरसाइकिल घटनास्थल पर छोड़कर मौके से फरार हो गया। सूचना पर मौके पर पहुँची पुलिस मृतक के शव को कब्जे में लेकर अग्रिम विधिक कार्यवाही में जुट गई है।

बाबरी विध्वंस बरसी पर अलर्ट पुलिस ने किया फ्लैग मार्च, ड्रोन से निगरानी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर में बाबरी विध्वंस की बरसी के मद्देनजर जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल के निर्देश पर शनिवार को पूरे जिले में हाई अलर्ट जारी किया गया है ताकि किसी भी संभावित अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पुलिस द्वारा लगातार फ्लैग मार्च किया जा रहा है एसपी के आदेश पर शहर और ग्रामीण इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। भीड़भाड़ वाले स्थानों, प्रमुख चौराहों, संवेदनशील इलाकों और मस्जिदों के आसपास पुलिस लगातार गश्त कर रही है। कानून-व्यवस्था पर पैनी नजर रखने के लिए ड्रोन कैमरों और सीसीटीवी की मदद ली जा रही है, जिनकी निगरानी कंट्रोल रूम से की जा रही है। सोमवार को सीओ सिटी/आईपीएस विनायक भोसले और शहर कोतवाली प्रभारी अनूप शुक्ला ने पुलिस टीम के साथ शहर के प्रमुख इलाकों में फ्लैग मार्च किया। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने पैदल गश्त कर लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की और स्पष्ट संदेश दिया कि किसी भी अफवाह या कानून विरोधी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस अधिकारियों ने संवेदनशील इलाकों में रुककर स्थानीय नागरिकों से संवाद भी किया। लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की गई। पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया कि सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी रखी जा रही है और भड़काऊ पोस्ट करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल ने बताया कि जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी थाना प्रभारियों को सतर्क रहने और अपने-अपने क्षेत्र में लगातार निगरानी करने के निर्देश दिए गए हैं। जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त बल भी तुरंत मौके पर भेजा जाएगा। जिले की सभी मस्जिदों में गतिविधियां शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई हैं!!

कथा व्यास झिलमिल महाराज के प्रवचन में जीवंत हुआ कृष्ण जन्म, श्रद्धालुओं में उमड़ा आध्यात्मिक उत्साह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र के ऐहार गांव स्थित सुप्रसिद्ध बाल्हेश्वर मंदिर के निकट सच्चिदानन्द पैलेस में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में चौथे दिन कथा व्यास पं. झिलमिल महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण जन्म का पावन प्रसंग सुनाया। जैसे ही कथा में कृष्ण जन्म की घड़ी आई, पूरा परिसर 'नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की' के संकीर्तन से गूंज उठा और श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे।कथा व्यास ने कहा कि जब-जब पृथ्वी पर अधर्म बढ़ता है, तब भगवान स्वयं अवतार लेकर धर्म की रक्षा करते हैं। उन्होंने अजामिल प्रसंग का उल्लेख करते हुए बताया कि भगवान के नाम का जाप मनुष्य को भवसागर से पार करा देता है। नाम-स्मरण की शक्ति से ही अजामिल ने यमदूतों को परास्त कर भगवान की शरण प्राप्त की।कृष्ण जन्म वर्णन के दौरान पं. झिलमिल महाराज ने बताया कि भगवान के जन्म लेते ही कारागार के बंधन टूट गए और पहरेदार गहरी निद्रा में चले गए। जन्म का क्षण आते ही पूरा वातावरण आनंद से भर गया, जिसका प्रभाव श्रोताओं पर भी स्पष्ट दिखाई दिया।आयोजन में घनश्याम सोनी, किरन सोनी, राजकुमार सोनी,संजू महराज, मोनू मिश्रा, एडवोकेट आलोक श्रीवास्तव सधन त्रिवेदी, सधोले शुक्ला, शिव गोपाल गुप्ता, धर्मेंद्र त्रिपाठी, अरविंद पांडेय, उमेश यादव, रामू बारी ,सूर्यांश शुक्ला, स्तुति शुक्ला, यशस्वी शुक्ला,मंजुला,रामू तिवारी सहित बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित रहे।

शत-प्रतिशत एसआईआर सत्यापन कार्य पूरा करने पर बीएलओ मीना सोनकर को एसडीएम ने किया सम्मानित

महराजगंज/रायबरेली। नगर पंचायत के बूथ संख्या 260 की बीएलओ मीना सोनकर को शत-प्रतिशत एसआईआर (SIR) सत्यापन कार्य पूरा करने पर सम्मानित किया गया है। शनिवार को नगर पंचायत सभागार में उपजिलाधिकारी गौतम सिंह ने उन्हें अंगवस्त्र और तीन हजार रुपये की चेक देकर सम्मानित किया। मीना सोनकर ने निर्धारित समय से पहले ही 1099 मतदाताओं का एसआईआर सत्यापन कार्य पूर्ण कर लिया। उपजिलाधिकारी गौतम सिंह ने बताया कि नगर पंचायत के कुल छह बूथों में से बूथ संख्या 260 का कार्य शत-प्रतिशत पूरा हो गया है। शेष पांच अन्य बूथों पर भी 90 प्रतिशत एसआईआर का काम पूरा हो चुका है, और अगले एक-दो दिन में उनका भी शत-प्रतिशत कार्य पूर्ण हो जाएगा। इस अवसर पर ईओ रामाशीष वर्मा, चेयरमैन प्रतिनिधि प्रभात साहू, क्षेत्रीय लेखपाल संतोष पटेल, लिपिक रामचंद्र और जमुना प्रसाद सहित अन्य अधिकारी व गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

द इंस्टिट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स भवन, यू.पी. स्टेट सेंटर, लखनऊ टेक्निकल टॉक का आयोजन किया गया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के द इंस्टिट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), उत्तर प्रदेश राज्य केंद्र, लखनऊ द्वारा आज दिनांक 06 दिसम्बर, दिन शनिवार को शाम 4:00 बजे एक महत्वपूर्ण टेक्निकल टॉक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय 'Air PollutionÑ A Monster in Environment' था, जिसमें वायु प्रदूषण के बढ़ते खतरों, इसके दुष्प्रभावों तथा इससे निपटने के तकनीकी व सामाजिक उपायों पर विस्तृत चर्चा की गई। उन्होंने अपने संबोधन में वायु प्रदूषण नियंत्रण को 'विकसित भारत 2047' के विज़न से जोड़ते हुए कहा कि स्वच्छ, सुरक्षित और सतत पर्यावरण ही विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत की नींव है। इस तकनीकी वार्ता के कीनोट स्पीकर इं. जे. बी. सिंह, पूर्व विभागाध्यक्ष, इंजीनियरिंग, LIC HFL Care Homes, मुंबई (वित्त मंत्रालय, भारत सरकार का PSU) रहे। उन्होंने बढ़ते वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने हेतु आधुनिक तकनीकों, सतत विकास तथा इंजीनियरों की भूमिका पर महत्वपूर्ण विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने पर्यावरण प्रदूषण की वर्तमान स्थिति, मानवीय स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव तथा हमारे इंजीनियरिंग समुदाय की विशेष जिम्मेदारियों पर अपने महत्वपूर्ण विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के संयोजक इं. अनूप चन्द्र मिश्रा रहे, जिन्होंने कार्यक्रम का सफल संचालन किया और विषय की महत्ता को रेखांकित किया। कार्यक्रम की शुरुआत में संस्थान के चेयरमैन इं. विजय प्रताप सिंह, ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया। अपने

उद्बोधन में उन्होंने वायु प्रदूषण से निपटने के लिए इंजीनियरों की नवीन तकनीकों की भूमिका तथा जनजागरूकता की आवश्यकता पर बल दिया। अंत में संस्था के मानद सचिव इं. निरेंद्र कुमार निषाद ने सभी गणमान्य अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में इंजीनियर, विशेषज्ञ, युवा सदस्य एवं तकनीकी क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया।

नारी जगत के सच्चे मसीहा : बाबासाहेब डॉ. अंबेडकर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में (अमिता अम्बेडकर) ने भारत की आधी आबादी यानी नारी शक्ति को सदियों से जाति और पितृसत्ता की दोहरी गुलामी में रखा गया था। इस गुलामी की जंजीरें तोड़ने वाले महामानव कोई और नहीं, परम पूज्य बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर थे। वे नारी मुक्ति के सबसे बड़े योद्धा और सच्चे मसीहा हैं। द्विजातिवादी और मनुवादी इतिहासकारों ने पहले बाबासाहेब को इतिहास से ही गायब करने की कोशिश की। जब मान्यवर कांशीराम साहेब और बहन मायावती जी के नेतृत्व में बहुजन समाज पार्टी ने बाबासाहेब को जन-जन तक पहुँचाया, तब इन लोगों ने नया षड्यंत्र रचा। अब वे बाबासाहेब को सिर्फ 'दलितों के मसीहा' बताकर उनका कद छोटा करने पर तुले हैं। लेकिन सच यह है कि बाबासाहेब सिर्फ दलितों के नहीं, समूची भारतीय नारी जाति के मुक्तिदाता हैं। आधुनिक भारत के राष्ट्रपिता हैं।

बाबासाहेब ने नारी को कभी संकुचित दायरे में नहीं देखा। उन्होंने साफ कहा था, 'मैं समाज की उन्नति महिलाओं की उन्नति से मापता हूँ।' इसलिए उन्होंने हर क्षेत्र में नारी को बराबरी का हक दिलाने का काम किया। सबसे बड़ा काम किया हिंदू कोड बिल के जरिए। इसमें बेटियों को बेटों के बराबर पैतृक संपत्ति का अधिकार, तलाक का अधिकार, अंतरजातीय विवाह को मान्यता और बहुपत्नी प्रथा पर रोक जैसी क्रांतिकारी बातें थीं। उस समय के रूढ़िवादी लोग इतना डर गए कि नेहरू सरकार को भी पीछे हटना पड़ा और बाबासाहेब को मंत्री पद छोड़ना पड़ा। लेकिन बाबासाहेब नहीं रुके। बाद में यही हिंदू कोड बिल टुकड़ों में पास हुआ और आज हर बेटी को जो संपत्ति में हिस्सा मिलता है, उसकी नींव बाबासाहेब ने रखी। भारतीय संविधान में भी बाबासाहेब ने नारी को मजबूत अधिकार दिए। अनुच्छेद 14, 15, 16 के जरिए लैंगिक समानता की गारंटी दी। महिलाओं-बच्चों के लिए विशेष कानून बनाने का अधिकार दिया। सबसे बड़ी बात-भारत में महिलाओं को इंग्लैंड और अमेरिका से पहले ही वोट का अधिकार मिला, यह बाबासाहेब की दूरदर्शिता थी।

श्रमिक महिलाओं की रक्षा के लिए बाबासाहेब ने मातृत्व लाभ कानून, खदानों में महिलाओं की सुरक्षा और प्रसूति अवकाश की व्यवस्था करवाई। बाल विवाह, देवदासी प्रथा और विधवा उत्पीड़न जैसी कुरीतियों पर भी

उन्होंने करारा प्रहार किया। बाबासाहेब ने बच्चियों की शिक्षा पर सबसे ज्यादा जोर दिया। उन्होंने कहा था- 'नारी को शिक्षित करो, ताकि वह गुलामी की मानसिकता से बाहर निकल सके।' सैकड़ों बहुजन-दलित बेटियों को उन्होंने छात्रवृत्ति और हॉस्टल दिलवाए। आज जब नारी सशक्तीकरण की बात होती है, तो कुछ लोग अपने नाम का डंका पीटते हैं, लेकिन असली हकदार बाबासाहेब डॉ. अंबेडकर का नाम जान-बूझकर दबाया जाता है। याद रखिए- जिस दिन आपने वोट डाला, संपत्ति में हिस्सा लिया, नौकरी की, अपना जीवनसाथी चुना- उस हर खुशी के पीछे बाबासाहेब का हाथ है। बाबासाहेब न दलितों के अकेले मसीहा हैं, न सिर्फ बहुजनों के। वे भारत की हर बेटी, हर माँ, हर बहन के सच्चे मुक्तिदाता और नारी जगत के सबसे बड़े मसीहा हैं। भारत के राष्ट्र निर्माता हैं।

डॉ अम्बेडकर थे संविधान निर्माता- शिशिर

सीतापुर स्वतंत्र भारत के पहले क़ानून मंत्री, प्रसिद्ध वकील, राजनेता और संविधान निर्माता बाबासाहेब डॉ भीमराव अंबेडकर जी के महापरिनिर्वाण दिवस पर कांग्रेसजनों ने लोहार बाग स्थित डॉ भीम राव अम्बेडकर जी की मूर्ती पर माल्यार्पण किया कांग्रेस शहर अध्यक्ष शिशिर बाजपेई ने कहा बाबासाहेब ने देश में स्वतंत्रता, समता, न्याय और बंधुत्व के विचार को आगे बढ़ाया और संविधान के माध्यम से शोषितों, वंचितों समेत हर एक भारतीय के अधिकार को सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाई।श्री बाजपेई ने कहा नई पीढ़ी को बाबासाहेब के बताए रस्ते पर चलने की प्रेरणा लेनी चाहिए कार्यक्रम में प्रमुख रूप पीसीसी सदस्य धीरेश कश्यप आमोद मिश्र संजय कुमार सनी रामू शुक्ला विनोद कुमार सावित्री देवी श्याम जी राज गुप्ता फिरोज आदि उपस्थित रहे।

शताब्दी वर्ष के अवसर पर शक्ति कलश यात्रा, जगह-जगह श्रद्धालुओं ने किया स्वागत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे में शनिवार को अखिल विश्व गायत्री परिवार की ज्योति कलश रथ यात्रा का जगह-जगह स्वागत हुआ। गायत्री परिवार से जुड़े लोगों ने लोगों को मिशन का साहित्य वितरित किया। कलश यात्रा सुबह करीब 10 बजे कस्बे के साकेत नगर पहुंची। इसके बाद मेन रोड होते हुए घोसियाना मोहल्ला स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कार्यालय में स्वागत किया गया।अनुयायियों ने विधि-विधान पूर्वक पूजा-अर्चना कर दिव्य कलश की आरती उतारी। कार्यक्रम के संयोजक शीतला प्रसाद ने बताया कि शांतिकुंज हरिद्वार द्वारा संचालित मिशन के शताब्दी वर्ष के तहत पूरे देश में शक्ति कलश यात्रा निकाली जा रही है।आरएसएस के जिला प्रचारक अजीत ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तरह सामाजिक उत्थान में लगे कई संगठन अपना शताब्दी वर्ष मना रहे हैं। हम सब मिलकर राष्ट्र निर्माण और युग निर्माण के

संकल्प को आगे बढ़ा रहे हैं।आभार ज्ञापन कृष्ण शंकर गुप्त ने किया। उन्होंने कहा कि यह परम सौभाग्य है कि हम सभी को इस दिव्य आयोजन में प्रतिभाग करने का अवसर मिला।इसके बाद कलश यात्रा बेहटा चौराहा स्थित गायत्री विद्यापीठ, बक्शी मेमोरियल पब्लिक स्कूल शेखवावापुर होते हुए ऊंचाहार के लिए रवाना हुई। इस मौके पर नगर प्रचारक पुष्पम, सुरेश दीक्षित, भुजंग भूषण शर्मा, शिव दत्त बाजपेई, इंद्रेश सिंह, राजेश सोनी, अविनाश शर्मा, कृष्णा सिंह, रेनू दीक्षित, पूनम गुप्ता सहित बड़ी संख्या में महिलाएं व अनुयायी मौजूद रहे।

समाज को सही आइना दिखाएँ लेखक: प्रख्यात कवि-उपन्यासकार प्रो. विकास शर्मा ने समकालीन साहित्य पर डाला प्रकाश

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज़्म स्टडीज़ (आईटीएस) में 'मीट द ऑथर' शीर्षक से एक अत्यंत रोचक साहित्यिक आयोजन सम्पन्न हुआ, जिसमें चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के अंग्रेज़ी विभाग के प्रख्यात कवि, उपन्यासकार एवं विद्वान प्रो. विकास शर्मा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। समकालीन साहित्य पर केन्द्रित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शोधार्थियों और साहित्य-प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह आयोजन डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव, निदेशक, इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज़्म स्टडीज़ के गतिशील निर्देशन में तथा डॉ. पवन शुक्ल, समन्वयक, एसोसिएशन ऑफ इंग्लिश टीचर्स, लखनऊ के सफल संचालन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति ने इसकी गरिमा में और वृद्धि की। सार्थी फ़ाउंडेशन के अध्यक्ष श्री संजय डेविड ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जबकि डॉ. मनोज पाण्डेय, अध्यक्ष, स्नष्टञ्ज (लखनऊ यूनिवर्सिटी एसोसिएटेड कॉलेजेज़ टीचर्स एसोसिएशन) की उपस्थिति ने इस साहित्यिक समारोह को और अधिक सार्थक बनाया। मुख्य वक्तव्य देते हुए प्रो. विकास शर्मा ने समकालीन साहित्य में उभरते रुझानों, नए कथ्य-शिल्प, बदलते सांस्कृतिक दृष्टिकोणों तथा साहित्य की सामाजिक-मनोवैज्ञानिक वास्तविकताओं को समझने में निभाई जाने वाली भूमिका पर विस्तृत चर्चा की। उनकी संवादधर्मी शैली और गहन साहित्यिक विश्लेषण ने श्रोताओं को अत्यंत प्रभावित किया। अपने स्वागत उद्बोधन में डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव ने ऐसे आयोजनों को विद्यार्थियों में साहित्यिक संवेदनशीलता विकसित करने हेतु महत्वपूर्ण बताया तथा एसोसिएशन ऑफ इंग्लिश टीचर्स के सक्रिय योगदान की प्रशंसा की। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. पवन शुक्ल ने कहा कि लेखक-पाठक संवाद से विद्यार्थियों को साहित्य को रचनाकार की दृष्टि से समझने का अवसर मिलता है। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन तथा उपस्थित अतिथियों

के प्रति आभार व्यक्त किया। डॉ. मनोज पाण्डेय ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि साहित्यिक संवाद को बढ़ावा देने के लिए ऐसे आयोजन अत्यंत आवश्यक हैं। अंत में हुए संवाद-सत्र में विद्यार्थियों ने समकालीन कथा-साहित्य, आलोचना और उभरती लेखकीय आवाज़ों पर प्रश्न पूछे, जिनका प्रो. शर्मा ने अत्यंत विचारोत्तेजक उत्तर दिया। समग्र रूप से 'मीट द ऑथर' कार्यक्रम लखनऊ विश्वविद्यालय का एक यादगार साहित्यिक आयोजन सिद्ध हुआ, जिसने सभी उपस्थित लोगों को एक ज्ञानवर्धक, प्रेरक और आनंददायी अनुभव प्रदान किया।

एसएमएस लखनऊ में 'भारत @ 2047: विज़न फौर डेवेलप्ड नेशन' विषय पर द्वितीय एसएमएस संसद का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज (एसएमएस), लखनऊ में 'भारत @ 2047: विज़न फौर डेवेलप्ड नेशन' विषय पर द्वितीय मॉडल संसद एसएमएस संसद'25 का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लखनऊ और आसपास के क्षेत्रों के विभिन्न कॉलेजों से आए प्रतिभागियों, संकाय सदस्यों और विशेषज्ञों ने भाग लिया। मॉडल संसद के माध्यम से छात्रों ने स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने पर भारत की संभावित विकास यात्रा का संसदीय स्वरूप में प्रस्तुतीकरण किया। कार्यक्रम की शुरुआत एसएमएस लखनऊ के निदेशक डॉ. आशीष भटनागर के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने कहा कि मॉडल संसद जैसे मंच युवाओं में कौशल नेतृत्व, नीतिगत समझ और नवाचारी सोच विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मुख्य अतिथि मयंकेश्वर शरण सिंह, (राज्य मंत्री संसदीय कार्य, चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, परिवार कल्याण तथा मातृ एवं शिशु कल्याण), ने प्रतिभागियों के उत्साह की सराहना की। उन्होंने कहा कि मॉडल संसद छात्रों को रचनात्मक चर्चा, समालोचनात्मक सोच और नीति-निर्माण की बारीकियों को समझने का अवसर प्रदान करती है। उन्होंने छात्रों को देश के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने हेतु प्रेरित किया। द्वितीय एसएमएस संसद '25 में 20 से अधिक टीमों ने हिस्सा लिया, जिनके प्रतिभागियों ने प्रधानमंत्री, कैबिनेट मंत्री, विपक्ष के नेता और विभिन्न राज्यों के सांसदों की भूमिकाएँ निभाई। कार्यक्रम में प्रस्तुत चर्चाएँ देश को 2047 तक विकसित, आत्मनिर्भर और नवाचार-प्रधान राष्ट्र बनाने पर केंद्रित रहीं। एसएमएस लखनऊ के सचिव एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी शरद सिंह ने कहा कि एसएमएस संसद, छात्रों में नागरिक चेतना और नेतृत्व भावना को बढ़ावा देने का सशक्त मंच है। उन्होंने कहा कि इस तरह के शैक्षिक आयोजन राष्ट्र के भविष्य के लिए जागरूक और दूरदर्शी युवा तैयार करने में सहायक

साबित होते हैं। कार्यक्रम का समापन 'विज़न 2047 प्रस्ताव' के पारित होने के साथ हुआ, जो देश के विकास, प्रगति और सशक्त भविष्य के प्रति युवाओं की सामूहिक दृष्टि को दर्शाता है। कार्यक्रम संयोजक डॉ. सुमन कुंडी ने सभी प्रतिभागियों और आयोजन टीम के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा कि मॉडल संसद ने छात्रों को नीति-निर्माण, नेतृत्व और सहयोगात्मक निर्णय लेने का व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया। एसएमएस लखनऊ ने इस आयोजन के माध्यम से समग्र शिक्षा, सामाजिक उत्तरदायित्व और अनुभव आधारित अधिगम के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पुनः व्यक्त की।

आम के पेड़ से लटकता मिला युवक का शव

मलिहाबाद। आम के बगीचे में युवक का शव पेड़ से लटका मिला ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और घटना की जांच में जुट गई है। रहीमाबाद थाना क्षेत्र के गहदो गांव निवासी सुभाष कुमार 22 जो डाला चला कर अपने परिवार के भरण पोषण में पिता की मदद करता था शुक्रवार शाम वह पिकअप डाला लेकर भाड़ा उठाने की बात कहकर घर से निकला था।शनिवार को सुबह गांव के बाहर कुलदीप सिंह के आम के बाग में ग्रामीणों ने एक युवक को फांसी के फंदे से लटकता हुआ देखा पास गए तो देखा वह सुभाष कुमार था ग्रामीणों ने मृतक के परिजनों को सूचना दी सूचना पाकर मकर पर पहुंचे परिजन बेटे को फांसी के फंदे पर झूलता देख दंग रह गए धीरे-धीरे वहां काफी भीड़ इकट्ठा हो गई परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को फांसी के फंदे से नीचे उतरवाया।आसपास देखा तो वहां पर पिकअप डाला और शराब की शीशी पड़ी मिली फिलहाल पुलिस ने कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के परिवार में पिता रजय,माता रजारानी और बहन है।थाना प्रभारी रहीमाबाद अरुण कुमार त्रिगुणायक ने बताया मामला आत्महत्या का लग रहा है फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

समाधान दिवस में आयीं 86 शिकायतें,05 का हुआ निस्तारण

लालगंज, प्रतापगढ़। लालगंज तहसील सभागार में शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन हुआ। एएसपी पश्चिमी व एसडीएम ने फरियादियों की समस्याओं की सुनवाई की। समाधान दिवस पर कुल 86 शिकायतें आयी। जिनमें से पांच शिकायतों का मौके पर निस्तारण कराया गया। राजस्व विभाग से 47 व पुलिस की 23 शिकायतें रही। एएसपी पश्चिमी ने थानाध्यक्षों को फरियादियों की शिकायतों पर तत्परता से कार्रवाई करने के निर्देश दिये। एसडीएम शैलेन्द्र वर्मा ने मातहतों को लम्बित शिकायतों के पारदर्शितापूर्ण निस्तारण की बात कही। सीओ आशुतोष मिश्र ने भी पुलिस से जुड़ी समस्याओं का निस्तारण किया। इस मौके पर पूर्ति निरीक्षक अमित शुक्ल, एसडीओ विद्युत आशुतोष कुमार, राजस्व निरीक्षक रामचंद्र त्रिपाठी, लेखपाल संघ अध्यक्ष केके सरोज आदि रहे।

संक्षिप्त खबरें

आज विविध कार्यक्रमों में शामिल होंगे प्रमोद तिवारी

लालगंज, प्रतापगढ़। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी आज रविवार को रामपुरखास के एक दिवसीय दौरे पर आयेंगे। सांसद प्रमोद तिवारी दोपहर बारह बजे भागवतदत्त महाविद्यालय अझारा में आयोजित स्थापना दिवस कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके बाद अपरान्ह दो बजे क्षेत्रीय विधायक व नेता कांग्रेस विधानमण्डल दल आराधना मिश्रा मोना के लालगंज स्थित कैम्प कार्यालय पर जनसमस्याओं की सुनवाई करेंगे एवं कार्यकर्ताओं से मुलाकात भी करेंगे। यह जानकारी मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने जारी विज्ञप्ति के जरिये दी है।

मिश्रिख़ तहसील में डीएम ने सुनी समस्याएं, 171 में 18 शिकायतों का मौके पर निस्तारण

मिश्रिख़ (सीतापुर) जनता की शिकायतों एवं समस्याओं को पूर्ण गुणवत्ता के साथ निस्तारित करने के उद्देश्य से जनपद की सभी सात तहसीलों में शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। तहसील मिश्रिख में विधायक मिश्रिख रामकृष्ण भार्गव एवं जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0 की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। शिकायतकर्ताओं की शिकायतों को एक-एक करके सुना गया एवं जनता की शिकायतों एवं समस्याओं को समयान्तर्गत गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश के साथ संबंधित अधिकारियों को अन्तरित किया।सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी ने सभी विभागाध्यक्षों और अधिकारियों को निर्देश दिये कि लाभार्थीपरक योजनाओं से संबंधित प्रकरणों का तेजी से निस्तारण किया जाये, जिससे पात्रों को समय से लाभान्वित किया जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि आई0जी0आर0एस0 पोर्टल पर प्राप्त होने वाली शिकायतों का त्वरित गति से निस्तारण हो। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता द्वारा जो शिकायत की गई हैं उसका निस्तारण संबंधित अधिकारी मौके पर पहुंचकर गुणवत्ता पूर्ण करें। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक दुर्गेश कुमार सिंह, उपजिलाधिकारी मिश्रिख शैलेन्द्र मिश्रा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 सुरेश कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।तहसील मिश्रिख में सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर कुल 171 शिकायतों में से 18 का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया।

श्रद्धा पूर्वक मनाया गया बाबा साहेब का परिनिर्वाण दिवस

हमीरपुर – कुरारा कस्बा स्थित अंबेडकर पार्क में भीमराव अंबेडकर का परिनिर्वाण दिवस मनाया गया जिसमे माया बाल्मीकि पूर्व चेयरमैन ने अंबेडकर की प्रतिमा में माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। कस्बा मे स्थित अंबेडकर पार्क में भीमराव अंबेडकर का परिनिर्वाण दिवस मनाया गया पूर्व चेयरमैन माया बाल्मीकि व उपस्थित नगर के लोगों ने भी अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए माया बाल्मीकि पूर्व चेयरमैन सांसद प्रतिनिधि ने कहा कि बाबा साहब दबे कुचले एवं गरीबों के मसीहा थे।उनका सपना था कि गरीब कमजोर,लाचार तबके के लोग शिक्षित हो संगठित हो और अपने हक एवं अधिकारों के लिए संघर्ष करे तभी समाज आगे बढ़ सकता है।भीमराव अंबेडकर जानते थे कि बिना शिक्षा के समाज आगे नहीं बढ़ सकता है। इसलिए उपस्थित लोगों से कहना चाहती हूं कि सभी बुराइयों को छोड़कर अपने परिवार को शिक्षित बनाए और पिछड़े,वंचित,कमजोर तबके के लोग एकजुट होकर अपनी ताकत का एहसास कराते हुए संघर्ष करे तभी बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का सपना साकार होगा और उनके प्रति हम सब की सच्ची श्रद्धांजलि होगी।श्रद्धांजलि सभा को घनश्याम बाल्मीकि, सतेन्द्र कुमार, अहिरवार, जयदीप कुमार अहिरवार,आदि लोगों ने संबोधित करते हुए बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के आदर्शों पर चलने का आवाहन उपस्थित लोगों से किया। इस अवसर पर गंगाचरण, प्रेमचंद्र, रामबाबू, गोविन्द सिंह, शोभित कुमार, हरी, प्रभु, पंचमलाल, वार्ड नंबर 04 प्राइमरी प्राथमिक विद्यालय के बच्चे अध्यापिका आदि काफी संख्या में महिलाएं एवं पुरुष उपस्थित रहे।

शराबी युवक ने जमकर काटा हंगामा सड़क पर रोके वाहन, गाड़ियों को रोककर यातायात किया बाधित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के थाना कोतवाली देहात क्षेत्र के नेपालापुर चौराहे पर शुक्रवार देर रात को उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब एक शराबी व्यक्ति ने सड़क के बीचोबीच जमकर हंगामा किया। नशे में धुत व्यक्ति ने पहले सड़क पर अपनी साइकिल खड़ी कर एक ट्रैक्टर के आगे लेटकर उसे रोक लिया, जिससे मार्ग पर यातायात बाधित हो गया अचानक हुई इस हरकत से चालक और राहगीर घबरा गए और मौके पर भीड़ जुट गई प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार जब लोगों ने किसी तरह समझा-बुझाकर व्यक्ति को ट्रैक्टर के आगे से हटाया, तो उसके बाद उसने सड़क पर खड़े एक ट्रक को निशाना बना लिया शराबी व्यक्ति ट्रक के सामने खड़े होकर जोर-जोर से चिल्लाने लगा और जमकर हंगामा करने लगा कुछ देर के लिए हाईवे जैसे व्यस्त मार्ग पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया इस दौरान मौजूद लोगों ने उसे सड़क से हटाने की काफी कोशिश की, लेकिन नशे के कारण वह किसी की बात सुनने को तैयार नहीं था। लोगों ने सतर्कता बरतते हुए किसी तरह उसे सड़क के बीच से हटाया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। पूरी घटना का वीडियो वहां मौजूद लोगों ने अपने मोबाइल फोन में कैद कर लिया, जो बाद में सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया वीडियो वायरल होने के बाद यह मामला चर्चा का विषय बन गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर समय रहते व्यक्ति को सड़क से न हटाया जाता तो कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती थी। वहीं कुछ लोगों ने नशे में इस तरह सड़कों पर हंगामा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग भी की है। सूचना मिलने पर कोतवाली देहात पुलिस ने मामले की जानकारी ली है। पुलिस का कहना है कि वायरल वीडियो के आधार पर व्यक्ति की पहचान की जा रही है। पहचान होने के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी!!

बिजली कैम्प लगाकर की वसूली

दस बड़े बकाएदारों के कनेक्शन काटे

हमीरपुर- मुस्करा विकासखण्ड के उमरी गांव में बिजली विभाग ने कैंप लगकर वसूली अभियान में लगभग एक लाख रुपये से अधिक बकाया बिल का राजस्व जमा कराया गया। आयोजित कैंप में 10 बड़े बकाएदारो के कनेक्शन भी काटे गए। इमिलिया बिजली पावर हाउस से बिजली संतृप्त उमरी गांव में कोटेदार छोटेलाल यादव के आवास में बिजली विभाग की टीम में अरविन्द्र सोनी, रितिक, हर्ष, लवलेश, हरिश्चंद्र के द्वारा एक दिवसीय कैंप का आयोजन किया गया जिसमे सरकार द्वारा चलाये जा रहे बिजली राहत योजना के तहत15 उपभोक्ताओं का रजिस्ट्रेशन कराया गया और वही 10 बड़े बकाएदारो के द्वारा बिल न जमा किये जाने पर उनके कनेक्शन काटे गए तथा एक दर्जन से अधिक उपभोक्ताओं की समस्याओ का निस्तारण करते हुए लगभग एक लाख रुपये बकाया जमा कराया गया।

तहसील समाधान दिवस में उठा जन्म प्रमाण पत्र में हीला-हवाली और जर्जर रास्तों का मुद्दा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद। तहसील समाधान दिवस एसडीएम की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस दौरान तहसील क्षेत्र से अवैध कब्जों, जर्जर रास्तों, और राशन कार्ड से जुड़ी अनेक शिकायतें आई, लेकिन सबसे ज़्यादा परेशानी लोगों को जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने में हो रही हीला-हवाली को लेकर थी।

कस्बा निवासी यूसुफ खान ने बताया जल जीवन मिशन के अंतर्गत कस्बे में पाइप लाइन डाली गई थी महीनों बीत गए लेकिन रास्ते अब तक सही नही हो सके चौधराना पकरिया से इस्माइल मंजिल होते हुए मोहान मार्ग तक और क्लासिक स्कूल से एक मिनारा पुलिया तक सड़कों पर गिट्टिया डाले लगभग दो महीने से ज्यादा समय हो गया है। सड़क का कार्य पूरा नहीं हुआ है कार्य के स्थान पर सूचना बोर्ड भी नहीं लगा है कि कार्य कब शुरू हुआ और कार्य कब पूरा होगा लोगों को आने-जाने में परेशानी है। धूल भी उड़ रही है जो लोगों को बीमार कर सकती है। सहिलामऊ निवासी कामिल ने बताया उन्होंने बताया कि उन्होंने 15 अक्टूबर को जन्म प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया था लेकिन अब तक जन्म प्रमाण पत्र जारी नहीं किया गया है जबकि आमजन भी प्रमाण पत्र बनवाने में विभाग की मनमानी से जूझ रहे हैं। लोगों का कहना है कि जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने में अक्सर एक से लेकर छह माह तक का लंबा समय लग जाता है जिससे लोगों को भारी समस्या का सामना करना पड़ता है। समाधान दिवस में एसडीएम अंकित कुमार, एसीपी सुजीत कुमार दुबे, तहसीलदार और अन्य विभागों के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। एसडीएम ने सभी शिकायतों को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित और समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए।

संपूर्ण समाधान दिवस में 35 शिकायतो में मात्र का हुआ निस्तारण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर- मौदहा कस्बा के तहसील सभागार भवन में आयोजित जिला स्तरीय संपूर्ण समाधान दिवस में जिला अधिकारी की मौजूदगी में आए तीन दर्जन से अधिक फरियादी मामलों में मात्र आठ ही मामले का निस्तारण मौके पर हो सका। इस मौके पर जिला अधिकारी व पुलिस अधीक्षक समेत आला अधिकारी मौजूद रहे। नगर के तहसील परिसर के स्थित सभागार भवन में आयोजित जिला स्तरीय संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता जिला अधिकारी घनश्याम मीणा ने की। इस मौके पर 37 फरियादियों ने अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रख उनके निदान की गुहार लगाई हालांकि मौके पर केवल आठ ही फरियादी के मामले का निस्तारण हो सका, सबसे अधिक मामले राजस्व, पुलिस, पानी व विद्युत से संबंधित रहे। संपूर्ण समाधान संपन्न हुआ रामलीला होलिका दहन स्थल कमेटी के अध्यक्ष सुबोध गुप्ता ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र दे बताया है। कि रामलीला मैदान में सड़क के दोनों तरफ सब्जी वाले जबरन दुकान लगाकर मांस मदिरा अंडा आदि का सेवन करते हैं जिससे धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचती है ऐसे असामाजिक तत्व रामलीला मैदान व थाने की बाउंड्री के नीचे सुबह से ही कब्जा कर लेते हैं समस्या के समाधान की गुहार लगाई इसी प्रकार कस्बे के नेशनल इंटर कॉलेज के छात्र लवकुश पुत्र रामचंद्र ने छात्रवृत्ति ना मिलने की शिकायत दर्ज कराई जिसे समाज कल्याण अधिकारी हिमांशु अग्रवाल ने निस्तारण करते हुए बताया कि 2023-24 में आधार आधारित खाते में हस्तांतरित की जा चुकी है। सिसोलर थाना क्षेत्र के भुलसी निवासी सिद्ध गोपाल ने बताया कि गांव में देवी जी के मंदिर संत कुटी आंगन में कब्जा कर लिया गया है जिसकी शिकायत दसवीं बार करने के बाद भी समस्या का निस्तारण नहीं किया गया। रीवन निवासी रामदीन,सुरेश,रत्ती, सुन्ती ने बताया आवासीय पट्टे हुए थे जिनको लेखपाल द्वारा नहीं नापा जा रहा है।

मानव अधिकार सुरक्षा एवं अपराध निरोधक संगठन ने शिकायती दर्ज कराते हुए बताया कि 15 वर्ष पूर्व काशीराम कॉलोनी में जूनियर हाई स्कूल छिमौली रोड व बालिका आवासीय विद्यालय का निर्माण किया गया था विभाग की अनदेखी के कारण अभी तक संचालित नहीं किया जा सका। वही क्षेत्र के गांव पाटनपुर निवासी राजा राम प्रजापति ने बताया है कि गांव में प्रधान द्वारा नाला तो बना दिया गया लेकिन नाला पटा नहीं गया जिससे आने-जाने में व जानवर निकलने में बड़ी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है वहीं ग्रामीणों ने बताया कि इस प्रकरण की हम 10 बार शिकायती पत्र दे चुके हैं। फिर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

जिला अधिकारी ने समाधान दिवस में मौजूद सभी अधिकारियों को आगाह किया कि समाधान दिवस में आने वाले मामलों का निस्तारण अधिकारी स्वयं फील्ड में जाकर समय रहते पूरी ईमानदारी व सक्रियता के साथ काम करें। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक दीक्षा शर्मा व उप जिलाधिकारी करन वीर सिंह समेत जिले के आला अधिकारी मौजूद रहे। अवगत हो कि सरकार ने समाधान दिवस का आयोजन इस मंशा से शुरू कराया था ताकि क्षेत्र के फरियादियों की समस्याएं एक मंच पर आने के बाद अधिकारियों की मौजूदगी में उनका त्वरित निस्तारण किया जा सके लेकिन सरकार के नुमाइंदों की लापरवाही के चलते समाधान दिवस में आने वाली समस्याओं का समय रहते निस्तारण न होने से फरियादियों का धीरे-धीरे समाधान दिवस से भरोसा उठता जा रहा है।

आनंदपुर जिपी के देवद्वार में उप-स्वास्थ्य केंद्र की नींव और दो मॉडल आंगनवाड़ी केंद्रों का शिलान्यास विधायक विजय मालाकार द्वारा किया गया

● तीन महत्वपूर्ण परियोजनाओं के कारण पूरे क्षेत्र में उत्सव का माहौल।

विशाल संख्या में जनसभाओं में तेज़ समस्या समाधान का आश्वासन विधायक विजय ने दिया।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि: वर्तमान सरकार 'सबका साथ सबका विकास' इस नारे के माध्यम से भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकासात्मक कार्यों के जरिए हर ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की सुविधाएं उपलब्ध करवा रही है, छात्रों की शिक्षा को उजागर करने के लिए शिक्षण संस्थानों के कक्षों का उन्नयन कर रही है, मॉडल आंगनवाड़ी सेंटर और उच्च गुणवत्ता की विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से करोड़ों रुपये आवंटित किए जा रहे हैं ताकि आम लोगों की समस्याओं का समाधान अन्य परियोजनाओं के माध्यम से किया जा सके। इसी क्रम में भारत के लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में विभिन्न जिलों में विकासात्मक कार्यों की लहर बह रही है, भाजपा सरकार के कार्यकाल में। सरकार अपने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' इस नारे की नीति में दृढ़ दिखाई दे रही है और यही वास्तविकताएं रामकृष्णनगर के विभिन्न स्थानों में देखने को मिल रही हैं। जिले के नवगठित रामकृष्णनगर विधानसभा क्षेत्र में अनुमानित करोड़ रुपये से अधिक की समूह परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया। परियोजना की पट्टी का अनावरण रामकृष्णनगर लोकप्रिय विधायक विजय मालाकार द्वारा किया गया। 26वीं विधानसभा चुनाव के दिन जैसे-जैसे नजदीक आ रहे हैं, शासक दल के विधायक अपनी सक्रियता बढ़ा दिए हैं और क्षेत्र के हर कोने में विकास के लिए काम कर रहे हैं। रामकृष्णनगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक विजय मालाकार ने गत 5 दिसंबर (शुक्रवार) को रामकृष्णनगर के आनंदपुर जिपी के देवद्वार में उसी दिन महत्वपूर्ण परियोजनाओं की पट्टियों का अनावरण किया। उन्होंने जिले के देवद्वार इलाके में नए बने सब सेंटर का फीता काटकर उद्घाटन किया। 50 लाख 94 हजार रुपये की लागत से बने इस महत्वपूर्ण स्वास्थ्य केंद्र के आसपास स्थानीय माताएं और बहनें उत्साह से भरी हुई थीं। क्षेत्र के लोगों ने भावनात्मक आवाज में कहा कि लोकप्रिय विधायक ने हमारे गांव में स्वास्थ्य सुविधाओं का विकास किया, हमने इससे पहले इस तरह के काम करने वाले विधायक नहीं देखे।

इसके बाद विधायक ने देवद्वार इलाके के दो मॉडल आंगनवाड़ी सेंटरों का शिलान्यास किया, जिनपर लगभग 50 लाख रुपये खर्च होंगे। बच्चों और माताओं के स्वास्थ्य के विकास में ये केंद्र भविष्य में बड़ी भूमिका निभाएंगे, ऐसा स्थानीय लोगों को आशा है। स्थानीय छात्रों की लंबे समय से मांग थी। कुल मिलाकर करोड़ों रुपये की ज्यादा लागत से महत्वपूर्ण शिलान्यास और देवद्वार शिव मंदिर परिसर में एक विशाल आकार की जनसभा में भाग लिया. विशेषज्ञों, पंचायत के प्रतिनिधियों ने अपने भाषण में क्षेत्र की समस्याओं को साझा किया और विधायक ने क्षेत्र की समस्याओं के त्वरित समाधान का आश्वासन दिया। इसके बाद उन्हें खबर मिली कि हैलाकांडी में सीएम हिमंत विश्व शर्मा आने वाले हैं। यह खबर मिलते ही वे तुरंत हैलाकांडी चले गए हिमंत विश्व शर्मा का स्वागत करने के लिए। कार्यक्रम में श्रीभूमि जिला भाजपा के सह-अध्यक्ष विश्वतोष सेन, वार्ड कमिश्नर संदीप दत्त और कई स्थानीय लोग सहित भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मौदहा टीम, हरियाणा को हराकर फाइनल में पहुंची

● मौदहा के मीशम अब्बास को चुना गया मैन ऑफ द मैच

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर- मौदहा कस्बा के रहमानियां खेल ग्राउंड में चल रहे मौलाना सलीम मेमोरियल अखिल भारतीय खेल महोत्सव के दूसरे फेज में शुरू हुए क्रिकेट टूर्नामेंट में शनिवार को दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला केजीएन मौदहा और हरियाणा के मध्य 20-20 ओवरों का रोमांचक मुकाबला खेला गया। जिसमें केजीएन ने 5 रनों से मुकाबला जीत फाइनल में प्रवेश पा लिया। इस मुकाबले के मुख्य अतिथि जुनैद मीनू ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर मुकाबला शुरू कराया। जिसमे केजीएन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। केजीएन की तरफ से ओपनिंग करने उतरे अभय ने 51 रनों की शानदार अर्धशतकीय पारी खेल टीम को अच्छी शुरुआत कराई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए हर्षित ने 57 रनों की शानदार पारी खेलते हुए टीम का स्कोर सौ रनों के पार पहुंचाया इसके बाद अपने क्रम से बल्लेबाजी करने आए आलोक ने 27 तो हिमांशु ने 28 रनों की पारी खेल निर्धारित 20 ओवरों में टीम का स्कोर 176 रनों पर पहुंचा दिया और हरियाणा को 177 रनों कि लक्ष्य रखा। लक्ष्य का पीछा करने उतरी हरियाणा के अपने ओपनर बल्लेबाज पियूष 3 रनों पर आउट हो गए जबकि निशांत ने 58 रनों की शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरे निखिल ने 38, आदित्य ने 34 रनों की शानदार पारी खेली लेकिन अंतिम समय में लड़ते लड़ते मात्र 5 रनों से पीछे रह गए इसी तरह केजीएन मौदहा ने 5 रनों से मुकाबला जीत लिया। केजीएन मौदहा की तरफ से 4 विकेट लेने वाले मीशम अब्बास को मुख्य अतिथि द्वारा मैन ऑफ दी मैच का पुरस्कार देकर सम्मानित किया। मैच में अंपायर की भूमिका अज़ीज़ मिंटू व डॉ आसिफ परवेज ने निभाई जबकि स्कोरिंग समीर व कमेंट्री कैफू ने की। इस दौरान कमेटी अध्यक्ष बीतू बादशाह, मोहम्मद अहमद (गुड्डू भाई), शाद सिद्दीकी, मोहम्मद लारैब, नफीस दीवानजी, शहजाद रेंजर सहित अन्य कमेटी सदस्य उपस्थित रहे। आज केजीएन मौदहा और दिल्ली के मध्य 12 बजे फाइनल मुकाबला खेला जाएगा।

सर्पदंश से किसान की मौत

हमीरपुर- कुरारा विकासखण्ड क्षेत्र के जमरेही ऊपरी गांव मे सर्पदंश से किसान की मौत हो गई मौत, परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। जमरेही ऊपरी गांव निवासी किसान लक्ष्मी नारायण (35 वर्ष) पुत्र बद्री प्रसाद बुधवार को अपने खेत में बोई गेहूं की फसल में पानी की सिंचाई करने गया था उसी दौरान देर रात लगभग बारह बजे रात में खेत में जहरीले सांप ने काट लिया।जानकारी मिलने पर परिजन उसको लेकर जिला अस्पताल पहुंचे।प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर कानपुर रिफर कर दिया गया।तीन दिन उपचार चलने के बाद हैलेट अस्पताल में शनिवार सुबह साढ़े चार बजे किसान ने दम तोड़ दिया। अचानक हुई इस घटना परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनो की मांग पर पुलिस ने शव का पोस्ट मार्टम कराया है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक खेती करके अपने परिवार का भरण पोषण करता था।

राई नृत्य के साथ संपन्न हुआ गंगादास बाबा मेला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर- मुस्करा विकासखंड स्थित शिवनी गांव में गंगादास बाबा मेला महोत्सव का भव्य और पारंपरिक आयोजन किया गया है। यह महोत्सव गांव की सांस्कृतिक विरासत और धार्मिक आस्था का प्रतीक है, जिसमें स्थानीय लोगों के साथ-साथ आस-पास के क्षेत्रों से भी भारी भीड़ उमड़ रही है। प्रधान प्रतिनिधि देवबचन सिंह यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि महोत्सव की शुरुआत में चार दिसम्बर को विशाल दंगल का आयोजन किया गया। इस दंगल में दूर-दराज से आए पहलवानों ने अपनी शक्ति और कौशल का प्रदर्शन किया, जिसका दर्शकों ने भरपूर लुत्फ उठाया। दंगल के बाद, स्थानीय कलाकारों द्वारा दिवारी लोकनृत्य का आयोजन किया गया। यह बुंदेली लोकनृत्य पारंपरिक वेशभूषा और उत्साह से भरपूर था, जिसने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया दिवारी नृत्य की आई हुई टीमें इस प्रकार हैं मवई खुर्द बांदा, बोखर सरीला ,मंगरौठ सरीला, टीला बिलगांव, इत्यादि टीमें उपस्थित हुई। श्री देवबचन सिंह यादव ने बताया कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत रात्रि में रामलीला का मंचन किया गया, जिसे देखने के लिए ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ी। इसी श्रृंखला के साथ आज 06 दिसम्बर दिन में धार्मिक बुंदेली राई लोकनृत्य का आयोजन किया गया।

06 दिसम्बर रात्रि में धर्म की अधर्म पर जीत का प्रतीक रावण वध का भव्य आयोजन होगा। इन आयोजनों के बाद, गांव में एक भव्य मेला भरेगा, जिसके लिए समस्त ग्रामीणों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। इस भव्य आयोजन के उद्घाटनकर्ता के रूप में राजा पांडे मुस्करा, साकेत राजपूत ख खडेही, पूरन यादव दादा कंस्ट्रक्शन मुस्करा मौजूद रहे द्य संचालन की भूमिका में मन प्यारे निषाद पूर्व प्रधान मिहुना, राजेश विश्वकर्मा एडवोकेट पूर्व प्रधान करगांव ने निभाई। इसके अतिरिक्त, बाबू सिंह राजपूत (पूर्व प्रधान, शिवनी), डोंगर सिंह राजपूत, वैध जी, मैयादीन , रणविजय सिंह यादव, देववचन सिंह यादव प्रधान प्रतिनिधि शिवनी सहित तमाम सम्भ्रांत व्यक्ति मौजूद रहे, जिन्होंने महोत्सव को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समस्त ग्रामीणों की भारी भीड़ ने इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक महोत्सव को एक नई ऊँचाई प्रदान की है, जो गांव की एकता और भाईचारे का संदेश दे रहा है।

चार दिवसीय सांड बाबा मेला महोत्सव में दो दिवसीय दंगल का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर- मुस्करा विकासखण्ड के पहाडी भिटारी गांव में प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी चार दिवसीय सांड बाबा मेला महोत्सव का दो दिवसीय भव्य दंगल का आयोजन किया जा रहा है।बीते शुक्रवार के दिन दिवारी नृत्य तथा रात्रि में प्रसिद्ध जबाबी कीर्तन राखी आजाद उर्ई जनपद जालोंन तथा मुकेश मृदुल भभरेखी जालोंन के द्वारा जवाबी कीर्तन का आयोजन किया गया। आयोजित जबाबी कीर्तन को देखने के लिए आसपास ग्रामीण क्षेत्र के सैकड़ों लोगों ने कीर्तन का आनंद लिया।इस दौरान कीर्तन मंडल के कलाकारों ने लोगो का मन मोह लिया जिसे देख और सुन कर सभी ने जमकर तारीफ की।वही शनिवार के रोज अपराह्न से प्रथम दंगल का आयोजन ग्राम प्रधान प्रतिनिधि तेजप्रताप उर्फ तेजू व कमेटी की देख रेख में हुआ।प्रथम दंगल गांव के यादव समाज के बालाभगत की स्मृति पर श्री कारकदेव बाबा के दंगल का भव्य आयोजन हुआ।सर्व प्रथम बाल कुश्तीया प्रारंभ हुई जिनमे बच्चों को लडडू व पुरष्कृत कर उनका मनोवल बढ़ाया।अर्पित पहलवान राठ तथा प्रिया मथुरा दोनों की कुश्ती टाइम होने पर बंद करा दी ,बाबा मदन दास पहलवान निर्मोही अखाड़ा चित्रकूट और जयसिंह पहलवान रहटिया मध्यप्रदेश के बीच हुई कुश्ती अखाड़ा चित्रकूट और मुन्ना टाइगर पहलवान पन्ना मध्यप्रदेश के बीच हुई कुश्ती में बाबा मदन दास ने जीत दर्ज की यह कुश्ती अत्यंत रोचक रही।अरुण पहलवान एटा और धीरज पहलवान मथुरा में एटा के अरुण पहलवान के जीत दर्ज की,हेमराज पहलवान हाथरस तथा आकाश पहलवान मसगांव के बीच हुई,जिसमे समय समाप्त होने पर छुड़ा दी गयी,

वही महिला पहलवान जागृति मरका बाँदा तथा कानपुर से महिला सपना पहलवान का मेला कमेटी के अध्यक्ष रतन राजपूत व इंद्रपाल यादव ने हाथ मिलवाकर कुश्ती प्रारंभ की जिसमे जागृति पहलवान बाँदा ने बाजी मारी।इसी प्रकार बाबा मदन दास पहलवान निर्मोही अखाड़ा चित्रकूट और जयसिंह पहलवान रहटिया मध्यप्रदेश के बीच हुई कुश्ती में समय होने पर की यह भी कुश्ती अत्यंत रोचक रही। जिनमे प्रिया पहलवान ने जीत दर्ज की, लास्ट कुश्ती प्रिया पहलवान मथुरा एंव कुलदीप पहलवान हाथरस के बीच हुई कुश्ती में दोनों पहलवानों का पुष्पेंद्र द्विवेदी पत्रकार ,जगजीवन यादव पत्रकार महेंद्र राजपूत पत्रकार हमीरपुर व पृथ्वीराज मास्टर ,अनिल प्रधान बम्होरी लक्षणपुरा मध्यप्रदेश ने हाथ मिलवाकर कुश्ती का प्रारंभ कराया गया जिसमें प्रिया पहलवान मथुरा ने दूसरे पहलवान को पटकनी लगा बाजी मारी।इसी प्रकार दो दर्जन से अधिक कुश्तियां सम्पन्न हुई यह दंगल अत्यंत रोचक और दर्शनीय रहा जो लोगो को बहुत ही भाया।वही ग्राम प्रधान प्रतिनिधि तेजप्रताप ने आये मेहमानों व ग्रामीणों का आभार व्यक्त किया।

बाबा साहब डॉ0 भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि पर नागरिक अधिकार संगठन के द्वारा पुष्प अर्पित कर दी गई श्रद्धांजलि

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां सीतापुर बाबा साहब डाक्टर भीम राव अम्बेडकर की पुण्यतिथि पर कस्बे की कांशीराम कालोनी मे नागरिक अधिकार संगठन के द्वारा बाबा साहब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर नागरिक अधिकार संगठन की संयोजक कमरुन निशा ने कहा बाबा साहब ने हम महिलाओ के अधिकारों को संविधान मे समाहित कर आजदी देने का काम किया। उन्होंने कहा हमारे देश का संविधान दुनिया का सबसे बड़ा और भारत की अनेकता को एकता मे जोड़ने का काम करता है।कमरुन निशा ने आगे कहा कि अधिकार तब सुरक्षित होगे जब व्यक्ति कर्तब्यो के निर्वहन की आदत डाले क्योकि कर्तव्य के विना अधिकारों की बात करना ही बेईमानी होगा।निशा आगे कहती है कि परिवार का कोई एक व्यक्ति गलती करता है तो पूरे परिवार को गलत नही ठहराया जाना चाहिए। क्योकि बाबा साहब ने देश का संविधान मे प्रत्येक नागरिक को अपने कर्तब्यो को निभाने और मजबूत लोकतंत्र की जिम्मेदारी पर जोर दिया है। संविधान देश की पहचान का आधार है। इस मौके पर वान्या फाउंडेशन की सचिव रामलली पटेल ने कहा कि बाबा साहब को लोग मानते है लेकिन अफ़सोस है कि बाबा साहब की नही मानते,संविधान राष्ट्रवादी सोच को अपनाने का मार्ग दर्शक दस्तावेज है।इस दस्तावेज पर चलकर भारत दुनिया के लिए विकास का एक नया मॉडल पेश कर रहा है। रामलली पटेल ने आगे कहा कि दलितों, वंचितो, पिछडो, अल्पसंख्यकों को सर उठाकर चलने का हौसला और हिम्मत हमे और सभी को संविधान से ही मिलती है। नागरिक अधिकार संगठन के सचिव हरीशंकर गुप्ता ने कहा बाबा साहब के संविधान की देन है कि आज हम सब लोग इस तरह के आयोजन कर पा रहे है।

गुलाम भारत मे यह आजादी हमे नही थी। महामानव की पुण्यतिथि पर नमन है।जिन्होंने न्याय,स्वतंत्रता,और बंधुत्व के मूल सिद्धांत को भारतीय चिंतन को संविधान के माध्यम से अंगीकृत कराया। शोषित एवं वंचित समाज के प्रखर स्वर बाबा साहब का दिया संविधान समाज को एक अटूट सूत्र मे पिरोता है।हम सब बाबा की दिखाई गई राह पर चलकर ही देश को विश्व मे स्थापित कर सकते है। इस अवसर पर फूलजहाँ बानो, सरिता कश्यप, शीला कठेरिया, रेशमा, रोज, अलकारिया, नंदनी, प्रदीप वाल्मीकि,मनीराम, शमा वाल्मीकि, संजय, साधना, बबिता, प्रियंका, डाक्टर पुत्तू लाल, रेनू बिश्वकर्मा, खलील, अफसाना, राम प्रकाश, संदीप, सूरज, अफसाना,जसवंत, सुनीता, विजेता, दयाराम, खलील,रामू आदि प्रमुख रहे।